सूविचार

मानव हृदय में घृणा, लोभ और द्वेष वह विषैली घास हैं जो प्रेम रूपी पौधे को नष्ट कर देती है।

दैनिक

# इंटरनल न्यूज

सच की तह तक....

internalnews@gmail.com

www.internalnews.com

वर्ष : 11 | अंक : 358 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 1 रूपये | भोपाल, मंगलवार 24 मार्च 2026 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

### प्रदेशवासियों को भारतीय सेना की समृद्ध विरासत से परिचित कराना और

# प्रदेश के युवाओं को सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करना जरूरी

**भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने हर मौके और मोर्चे पर अदम्य साहस, शौर्य और सामर्थ्य का प्रदर्शन किया है। देश के हर व्यक्ति और परिवार के लिए भारतीय सेना की शौर्य और बलिदान की परंपरा से जुड़ना गर्व का विषय है। प्रदेशवासियों को भारतीय सेना की समृद्ध सैन्य विरासत से परिचित कराने और प्रदेश के युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आगामी सेना दिवस 15 जनवरी 2027 को भोपाल में विशेष परेड आयोजित की जाएगी।**

## » मुख्यमंत्री निवास में हुई सेना तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक

भोपाल में सेना दिवस पर होने वाले इन कार्यक्रमों में शामिल होने का अनुभव, गणतंत्र दिवस 26 जनवरी पर नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर होने वाले कार्यक्रमों के समान होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की राजधानी भोपाल में होने वाले इस आयोजन के लिए राज्य सरकार, भारतीय सेना को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन और चीफ़ ऑफ आर्मी स्टॉफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में मुख्यमंत्री समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री नीरज मंडलोई, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना तथा सेना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई सैन्य अधिकारियों की बैठक में सेना प्रमुख, जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बताया कि आगामी सेना दिवस 15 जनवरी को भोपाल में भव्य सेना दिवस परेड आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही शौर्य संध्या, सेना के हथियारों संसाधनों और उपकरणों पर केंद्रित प्रदर्शनी तथा सैन्य अभ्यास का प्रदर्शन भी होगा। सेवानिवृत्त सैनिकों का सम्मान भी किया जाएगा। सभी

गतिविधियां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी पर नई दिल्ली में होने वाले कार्यक्रमों की भव्यता और गरिमा के समान संचालित की जाएगी। कार्यक्रम में देश के रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह भी शामिल होंगे। यह आयोजन भारतीय सेना की समृद्ध वीरता और सैन्य परंपरा के प्रदर्शन, सैन्य परेड से जन-जन को जोड़ने, सेना और नागरिक प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय एवं पारस्परिक विश्वास की भावना विकसित करने और युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

बैठक में बताया गया कि सेना दिवस 15 जनवरी 2027 पर होने वाले इन कार्यक्रमों की शुरुआत 1 नवंबर मध्यप्रदेश स्थापना दिवस से होगी। स्थापना दिवस पर मेरी माटी अभियान के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों से मिट्टी लाकर भोपाल स्थित शौर्य स्मारक में संकल्प वृक्ष लगाया जाएगा। सेना दिवस 15 जनवरी की परेड के लिए 9,11 और 13 जनवरी को अभ्यास होगा। इसी प्रकार 15 जनवरी की शौर्य संध्या के लिए 11 और 13 जनवरी को अभ्यास का क्रम रखा गया है। सैन्य प्रदर्शनी का आयोजन 7 से 12 जनवरी तक होगा। भोपाल के बड़े तालाब में 11 और 12 जनवरी को सैन्य अभ्यास होगा। सेना की परेड के लिए अटल पथ, एयरोसिटी रोड, भेल कालीबाड़ी मार्ग और भेल लिंक रोड प्रस्तावित किए गए हैं। शौर्य संध्या का आयोजन टी.टी. नगर स्टेडियम में और सैन्य प्रदर्शनी जम्बूरी मैदान में लगाई जाएगी। बड़े तालाब पर वॉटर स्पोर्ट्स, एयर शो और सैन्य अभ्यास गतिविधियां होंगी। प्रारंभिक कार्यक्रम के रूप में प्रदेश के स्थापना दिवस 1 नवंबर 2026 को होने वाले मेरी माटी अभियान के अंतर्गत हॉट एयर बैलून गतिविधि, मोटर साइकिल रैली, दौड़ तथा अन्य गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सेना दिवस सेना दिवस प्रतिवर्ष 15 जनवरी को जनरल केएम करियप्पा द्वारा वर्ष 1949 में भारतीय सेना के अंतिम ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ जनरल सर एफआरआर बुचर से भारतीय सेना की कमान संभालने की याद में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के एक भारत-श्रेष्ठ भारत के विचार को सशक्त करने और सेना व नागरिकों के संबंधों को सुदृढ़ करते हुए भारतीय सेना में राष्ट्रव्यापी जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आयोजनों के विकेन्द्रीकरण की यह पहल वर्ष 2023 से आरंभ हुई। ऐसे आयोजन देश के लिए शहीद हुए शूरवीरों का स्थानीय स्तर पर सम्मान करने और उन्हें याद करने का भी अवसर देते हैं। सेना दिवस पर इस प्रकार की पहली परेड बैंगलुरू में वर्ष 2023 में, लखनऊ में 2024 में, पुणे में 2025 में और 2026 में जयपुर में आयोजित की गई। इन आयोजनों से युवाओं को भारतीय सेना में सेवाएं देने के लिए प्रेरित करने में भी मदद मिली है। बैठक में लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन, लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान, लेफ्टिनेंट जनरल रंजीत सिंह, मेजर जनरल विकास लाल, बिग्रेडियर नितिन भाटिया, कर्नल सौरभ कुमार, सन्नी जुनेजा, राजेश बंडले तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### तमिलनाडु में भाजपा 27 सीटों पर चुनाव लड़ेगी

**नई दिल्ली।** तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सोमवार को सीटों का बंटवारा हो गया है। भाजपा 234 सीटों में से 27 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। राज्य में गठबंधन का नेतृत्व करने वाली एआईएडीएमके 178 सीटों पर;चुनाव लड़ेगी। वहीं पट्टाली मक्क ल काची को 18 और अम्मा मक्क ल मुनेत्र कडग़म को 11 सीटें मिली हैं। कांग्रेस ने चुनाव आयोग से केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर की उम्मीदवारी रद्द करने की मांग की है। कांग्रेस का आरोप है कि चंद्रशेखर के पास कोरमंगला में 49,000 स्क्वॉयर फीट का करीब 200 करोड़ रुपए का बंगला है, जिसकी जानकारी हलफनामें में छिपाई है। तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों के लिए सीट शेयरिंग पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, हमारे पारिवारिक रिश्तों को देखते हुए पूरा एनडीए एक परिवार की तरह काम करता है।

### समीर वानखेड़े ने कोर्ट में कहा, क्रूज ड्रग्स मामले में रिश्वत नहीं मांगी थी

**मुंबई।** नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान उन आरोपों का जोरदार खंडन किया कि उन्होंने बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान से उनके बेटे आर्यन खान को हाई-प्रोफाइल कॉर्डेलिया क्रूज ड्रग्स मामले में बचाने के लिए रिश्वत मांगी थी या ली थी। आर्यन खान को 2021 में कार्डेलिया क्रूज ड्रग्स मामले में गिरफ्तार किया गया था। उस वक्त एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े थे। बाद में आर्यन खान को इस केस में जमानत मिल गई थी। हालांकि पूरे मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। सीबीआई ने अपनी एफआईआर में आरोप लगाया था कि समीर वानखेड़े ने आर्यन खान का नाम जांच से हटाने के लिए शाहरुख खान से 25 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी थी। इस मामले में सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान वानखेड़े के वकील आबाद पोंडा ने कहा कि क्रूड ड्रग्स केस की जांच के दौरान शाहरुख खान या उनके परिवार से न ही रिश्वत मांगी गई और न ही रिश्वत ली गई। वकील ने तर्क दिया कि वानखेड़े को 25 करोड़ रुपये की रिश्वत की मांग या शाहरुख खान से पैसे ऐंठने के किसी भी सीधे प्रयास से जोड़ने वाला कोई ठोस सबूत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि सीबीआईकी एफआईआर में उन लोगों के नाम हैं, जिन्होंने कथित तौर पर पैसे लिए थे और यह तर्क दिया कि वानखेड़े व्यक्ति गत रूप से ऐसे लेन-देन में शामिल नहीं थे।

### गहलोत ने राजस्थान की बिगड़ती स्वास्थ्य सेवाओं पर उठाए सवाल, सीएम शर्मा पर कसा तंज

**जयपुर।** राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की वर्तमान भजनलाल शर्मा सरकार पर स्वास्थ्य सेवाओं को कमजोर करने का गंभीर आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता का कहना है कि राजस्थान का पहले मजबूत और विश्वस्तरीय माना जाने वाला हेल्थ मॉडल अब उपेक्षा के कारण बिखरता दिख रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी कांग्रेस सरकार के दौरान तैयार की गई स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को वर्तमान सरकार द्वारा व्यवस्थित रूप से कमजोर किया जा रहा है। पूर्व सीएम गहलोत ने मौजूदा मुख्यमंत्री शर्मा पर व्यक्ति गत टिप्पणियां करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब वे सोशल मीडिया के माध्यम से जनता की समस्याएं उठाते हैं, तब मुख्यमंत्री शर्मा समाधान पर ध्यान देने के बजाय उन पर व्यक्ति गत कटाक्ष करने में व्यस्त रहते हैं। यह टिप्पणी उस बयान के जवाब में आई, जिसमें मुख्यमंत्री शर्मा ने एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेता गहलोत पर तंज कसा था। स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े मुद्दों पर गहलोत ने विशेष चिंता जाहिर की है। उन्होंने बताया कि राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) के तहत बकाया भुगतान नहीं होने के कारण निजी अस्पतालों ने ओपीडी और फार्मेसी सेवाएं बंद करने की चेतावनी दी है, जिससे कर्मचारियों और पेंशनर्स को परेशानी हो रही है।

## 'आदिवासी इस देश के मूल निवासी और मालिक' : राहुल गांधी

**वडोदरा।** लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी गुजरात के संस्कारी शहर वडोदरा पहुंचे, जहां एयरपोर्ट पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान गुजरात कांग्रेस प्रभारी मुकुल वासनिक, प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा और विधानसभा कांग्रेस दल के नेता तुषार चौधरी सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इसके बाद शहर के आजवा चौकड़ी स्थित नगर निगम ऑडिटोरियम में आदिवासी अधिकार संविधान सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में राहुल गांधी का स्वागत पारंपरिक आदिवासी नृत्य से किया गया, जहां उन्होंने कलाकारों से मुलाकात भी की। सम्मेलन को संबोधित करते हुए

राहुल गांधी ने आदिवासी शब्द के गहरे अर्थ पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आदिवासी इस देश के मूल निवासी और वास्तविक मालिक हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इतिहास के दौरान आदिवासियों से उनकी जमीन, जंगल और जल छीन लिए गए और आज उनकी पहचान को वनवासी जैसे शब्दों से बदलने की कोशिश हो रही है। राहुल गांधी ने महान आदिवासी नेता बिरसा मुंडा के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह उनके संघर्ष और विचारधारा पर भी हमला है। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर आदिवासियों की जमीन अधिग्रहित की जा रही है और कई बार उन्हें उचित मुआवजा भी नहीं मिलता।

## कोल्ड स्टोरेज की इमारत का हिस्सा ढहा, 9 की मौत, अमोनिया गैस लीक से 1 किमी तक फैला असर

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के फाफामऊ इलाके में सोमवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया, जब एक कोल्ड स्टोरेज की इमारत का हिस्सा अचानक ढह गया। इस हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत की सूचना है, जबकि करीब 20 मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे में कोल्ड स्टोरेज से अमोनिया गैस का रिसाव हुआ जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। गैस करीब 1 किलोमीटर तक फैल गई, जिससे लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। हादसा सोमवार दोपहर करीब ढाई बजे हुआ, जिसके बाद मौके पर अफरा-

तफरी मच गई। मलबे के नीचे दबे लोगों को निकालने के लिए प्रशासन ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। प्रारंभिक जानकारी अनुसार मौके पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें 5 जेसीबी मशीनों के साथ राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। अब तक 9 लोगों को मलबे से बाहर निकाला जा चुका है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद कोल्ड स्टोरेज से अमोनिया गैस का रिसाव भी होने लगा, जिससे आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। गैस करीब 1 किलोमीटर तक फैल गई, जिससे लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। स्थानीय लोग मुंह पर कपड़ा बांधकर घरों से बाहर निकलने को मजबूर हो गए। प्रशासन के अनुसार, इस कोल्ड स्टोरेज की संरचना लगभग 60 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई थी और इसका 40 फीट ऊंचा तथा 75 फीट लंबा हिस्सा ढह गया। यहां 100 से अधिक मजदूर काम करते हैं, जिससे हादसे में जानमाल के नुकसान की आशंका और बढ़ गई है। घटना के बाद लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। पुलिस को विरोध का भी सामना करना पड़ा।

## कोलकाता मेट्रो के निर्माण में हो रही देरी पर ममता सरकार से नाराज हुए सीजेआई

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता मेट्रो के निर्माण में हो रही देरी को लेकर पश्चिम बंगाल की ममता सरकार को कड़ी फटकार लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि यह देरी अधिकारियों के अड़ियल रवैये को दिखाती है और विकास कार्यों को अनावश्यक रूप से रोका जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी दी कि हर मुद्दे का राजनीतिकरण करना उचित नहीं है, खासकर जब मामला सीधे तौर पर शहर के विकास से जुड़ा हो। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश में कोई कमी नहीं है और परियोजना को तय समयसीमा में पूरा होना चाहिए। सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने ममता सरकार से तीखा सवाल कर कहा कि क्या विकास से ज्यादा त्यौहार महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि ममता सरकार अपने कर्तव्यों से बंधी है और बंगाल सरकार को प्राथमिकताओं का सही निर्धारण करना चाहिए।

### सुप्रीम कोर्ट ने अनिल अंबानी की कम्पनी से जुड़े बैंक फ्रॉड मामले में

## जांच को लेकर केंद्रीय जांच एजेंसियों पर सख्त रुख अपनाया

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने अनिल अंबानी की रिलायंस कम्युनिकेशंस से जुड़े बैंक फ्रॉड मामले में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच को अनिच्छुक बताते हुए नाराजगी जाहिर की और दोनों एजेंसियों को आपस में समन्वय बनाकर समयबद्ध तरीके से जांच पूरी करने का निर्देश दिया। सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि अदालत यह तय नहीं कर सकती कि किसे गिरफ्तार किया जाए, लेकिन जांच एजेंसियों की ओर से दिखाई जा रही ढिलाई स्वीकार्य नहीं है। कोर्ट ने कहा कि जांच ऐसी होनी चाहिए जो न सिर्फ अदालत बल्कि

आम जनता में भी भरोसा पैदा करे।अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि जांच एजेंसियों को आपस में जॉइन हैंड्स करना होगा। साथ ही पीठ ने कहा कि जांच निष्पक्ष, स्वतंत्र और बिना किसी पूर्वाग्रह के होनी चाहिए। अदालत ने सभी संबंधित वित्तीय संस्थानों को ईडी के साथ पूरा सहयोग करने का भी निर्देश दिया और असहयोग की स्थिति में एजेंसी को कोर्ट को सूचित करने की छूट दी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि ईडी अधिकारियों की एक विशेष जांच टीम गठित की गई है और अब तक चार गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि बिना आधार के गिरफ्तारी नहीं की जा सकती। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि अब तक करीब 15,000 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की जा चुकी हैं और सच्चाई सामने लाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

## अखिलेश का ऐलान, सत्ता में आने पर महिलाओं को सालाना 40,000 रुपये की पेंशन

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं को लेकर बड़ा चुनावी वादा किया है। उन्होंने घोषणा की कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आती है, तब आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित महिलाओं को सालाना 40,000 रुपये की पेंशन मिलेगी। यह योजना समाजवादी पेंशन योजना के पुनर्जीवित रूप के तौर पर लागू की जाएगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त कर आत्मनिर्भर बनाना है। लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में अखिलेश ने कहा कि महिलाओं का सशक्ति करण राज्य के विकास के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने 'नारी समृद्धि सम्मान योजना' शुरू करने की भी बात कही, जिसके तहत महिलाओं के लिए नई सुविधाएं और लाभकारी योजनाएं लाई जाएंगी। साथ ही, उन्होंने संकेत दिया कि पहले से चल रही कुछ योजनाओं, जैसे रानी लक्ष्मीबाई से जुड़ी योजनाएं, को फिर से शुरू किया जाएगा ताकि महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा मिल सके।

### राजनीति

### पश्चिम एशिया में जंग के हालातों पर पीएम मोदी ने लोकसभा में कहा

# होमुर्ज का रास्ता रोकना स्वीकार नहीं होगा

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में जंग के हालातों पर पीएम मोदी ने पहली बार सार्वजनिक बयान दिया। लोकसभा में उन्होंने कहा कि तनाव खत्म होना चाहिए। बातचीत से ही समस्या का समाधान है। पीएम ने कहा कि नागरिकों और पावर प्लांट पर हमले मंजूर नहीं हैं। होमुर्ज का रास्ता रोकना स्वीकार नहीं होगा। पीएम ने कहा कि सरकार की कोशिश है कि देश में तेल-गैस संकट न हो। इसके लिए 27 की जगह अब 41 देशों से इंपोर्ट कर रहे हैं।

पश्चिम एशिया में एक करोड़ भारतीय रहते हैं। उनकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि अभी 3 लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित देश लौट चुके हैं। ईरान से ही हजार भारतीय सुरक्षित लौटे हैं। 700 से ज्यादा मेडिकल की पढ़ाई करने वाले युवा हैं।

पीएम ने कहा- तेल-गैस संकट पर- पिछले एक दशक में भारत ने संकट के समय के लिए कच्चे तेल के भंडारण को प्राथमिकता दी है। आज हमारे पास 53 लाख मीट्रिक टन से अधिक का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार है। इसे बढ़ाकर 65 लाख मीट्रिक टन से अधिक करने का काम चल रहा है। हमारी तेल कंपनियां अलग स्टोरेज रखती हैं। पीएम ने कहा कि हमारे पास पर्याप्त अन्न भंडार है। आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त इंतजाम हैं। उस वक्त भी ग्लोबल सप्लाई चेन में कमी आई थी। भारत के किसानों को यूरिया की एक बोरी 300 रुपए से भी कम कीमत में दिलाई गई। तेल गैस फर्टिलाइजर से जुड़े जहाज भारत तक सुरक्षित पहुंचे, इसके लिए सहयोगियों से संवाद कर रहे हैं।

# नर्मदापुरम में 'हमारा गाँव संगठन' की ज़िला बैठक संपन्न, आदिवासी अधिकारों और योजनाओं के क्रियान्वयन पर जोर

## सुखतवा में आयोजित बैठक में मूलभूत सुविधाओं, सांस्कृतिक संरक्षण और शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित समुदायों की समस्याओं पर हुई विस्तृत चर्चा

**इटारसी/नर्मदापुरम।** 'हमारा गाँव संगठन' मध्यप्रदेश की नर्मदापुरम ज़िला टोली की महत्वपूर्ण बैठक ब्लॉक केसला के अंतर्गत सुखतवा में आयोजित की गई, जिसमें संगठन के पदाधिकारियों और विभिन्न गांवों से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में आदिवासी एवं अन्य वंचित समुदायों के अधिकार, सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और सांस्कृतिक संरक्षण जैसे मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश संयोजक दुर्गेश धुर्वे ने कहा कि देश को आज़ादी मिले 79 वर्ष बीत जाने के बाद भी आदिवासी और गरीब समुदाय अपने मूलभूत अधिकारों और सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्थाओं की खामियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि जब तक व्यवस्था में सुधार नहीं होगा, तब तक वंचित समाज को शोषण और अभाव का जीवन जीना पड़ेगा।

ब्लॉक संयोजक जयसिंह बारसकर ने संगठन के प्रमुख उद्देश्य 'शासकीय योजनाएं हमारा अधिकार' को विस्तार से समझाते हुए बताया कि सरकार द्वारा जन्म से लेकर मृत्यु तक अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिन पर करोड़ों रुपये खर्च होते हैं। इसके बावजूद इन योजनाओं का लाभ ज़मीनी स्तर तक नहीं पहुंच पा रहा है, जिसके कारण आदिवासी समुदाय आज भी मज़दूरी और पलायन के लिए मजबूर है। उन्होंने कहा कि यदि योजनाओं का सही क्रियान्वयन हो, तो लोगों को अपने गांव में ही सम्मानजनक जीवन मिल सकता है।

वहीं ब्लॉक अध्यक्ष ब्रजेश उईके ने संगठन के दूसरे प्रमुख उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आदिवासी समाज की पारंपरिक संस्कृति, रीति-रिवाज और पहचान धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है। इसे संरक्षित करने के लिए संगठन गांव-गांव जाकर जागरूकता अभियान चलाएगा और सांस्कृतिक क्रांति लाने का प्रयास करेगा।बैठक के दौरान क्षेत्रीय समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई और उनके समाधान के लिए रणनीति तैयार की गई। संगठन ने तय किया कि आने वाले समय में गांव स्तर पर सक्रियता बढ़ाई जाएगी और योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जनजागरूकता अभियान तेज किया जाएगा।इस अवसर पर प्रदेश संयोजक दुर्गेश धुर्वे, ब्लॉक संयोजक जयसिंह बारसकर, ब्लॉक अध्यक्ष ब्रजेश उईके, ब्लॉक खेल प्रमुख पवन कलमे, संस्कृति प्रमुख शिवराम काजले, सह संस्कृति प्रमुख बारेलाल चौहान, आरटीआई सह प्रमुख भागराम नागले, सेक्टर प्रमुख सुखतवा धीरज चौहान, सेक्टर संयोजक चांदकिया मोहनसिंह भुसारे, सेक्टर अध्यक्ष सरवन कास्दे, कालाआखर सेक्टर अध्यक्ष ईश्वरदास उईके, जनपद सदस्य सुनील नागले, कमलसिंह मवासे, अमित काजले, नरेश अखंडे, चंद्रशेखर बारसकर, अमर चौहान सहित लगभग 20 गांवों के प्रभारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## युवा कांग्रेस का वार्ड-वार्ड चलो अभियान वार्ड क्रमांक 1 से शुरू, आमजन की समस्याओं के समाधान का लिया संकल्प

**खेड़ापति माता मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ हुआ शुभारंभ; मयूर जायसवाल के नेतृत्व में 34 वार्डों तक पहुंचेगा अभियान, टावर और पानी पाइपलाइन जैसी समस्याओं पर तुरंत कार्रवाई**

**इटारसी।** शहर में आमजन से सीधे संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से युवा कांग्रेस द्वारा वार्ड-वार्ड चलो अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान का शुभारंभ वार्ड क्रमांक 1 स्थित खेड़ापति माता मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। अभियान का नेतृत्व युवा कांग्रेस नेता मयूर जायसवाल कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, यह अभियान शहर के सभी 34 वार्डों में चलाया जाएगा, जिसके तहत कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे और उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों से समन्वय करेंगे। पहले दिन वार्ड क्रमांक 1 में अभियान को लेकर आमजन में खासा उत्साह देखने को मिला और लोगों ने खुलकर अपनी समस्याएं सामने रखीं।

अभियान के दौरान स्थानीय नागरिकों ने बताया कि वार्ड में लगा टावर लंबे समय से खराब है और जर्जर हालत में है, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। इस पर मयूर जायसवाल ने तुरंत संज्ञान लेते हुए एसडीएम से फोन पर चर्चा कर समस्या के निराकरण का अनुरोध किया। एसडीएम ने जल्द ही समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

इसके साथ ही वार्ड में पानी की 80 फीट पाइपलाइन, जो लंबे समय से स्वीकृत होने के बावजूद नहीं पहुंच पाई थी, उस पर भी पहल की गई। नगर पालिका से संपर्क कर पाइपलाइन सामग्री वार्ड तक पहुंचा दी गई है, जिससे जल्द ही कार्य शुरू होने की उम्मीद है।

अभियान के अंतर्गत नागरिकों से लिखित शिकायतें भी प्राप्त की गईं, जिनके समाधान के लिए टीम द्वारा संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। युवा कांग्रेस का कहना है कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जनता और प्रशासन के बीच की दूरी को कम करना और समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है।

इस अवसर पर पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष मयूर जायसवाल, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष सौम्य दुबे, जिला उपाध्यक्ष गौरव चौधरी, प्रदेश महासचिव शम्मी जायसवाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोल्डी बेस, वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजय गोठी, रमेश साहू, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव राजकुमार केलु, उपाध्याय अशोक जैन, विजय बाबू चौधरी, अनिल राठी, लखन बैस, अजय मिश्रा, नरेश चौहान, प्रतीक मालवीय, मयंक चौरे, युवा कांग्रेस नगर अध्यक्ष युवराज चौधरी, प्रणीत मिश्रा, विशाल बड़कुर, पार्षद सीमा भदोरिया, दिलीप गोस्वामी, अंजलि कालोसिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।युवा कांग्रेस नेताओं ने बताया कि आने वाले दिनों में यह अभियान शहर के हर वार्ड तक पहुंचेगा और जनसमस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे।

## कलेक्टर गाइडलाइन लागू होते ही भोपाल में जमीनों के भाव पहुंच जाएंगे आसमान पर

### राजधानी में 732 लोकेशन पर प्रॉपर्टी के दामों में वृद्धि का प्रस्ताव

**भोपाल।** वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रॉपर्टी के दामों में वृद्धि करने के लिए पंजीयन विभाग के अधिकारियों ने सैटेलाइट की मदद ली है, जिसकी तस्वीरों को आधार बनाते हुए 732 लोकेशन पर प्रॉपर्टी के दामों में वृद्धि प्रस्तावित कर दी है। सेटेलाइट की मदद से अधिकारियों को पता चला है कि जिले में 181 लोकेशन पर जमकर प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त के साथ विकास कार्य हुए हैं। इनमें अधिकांश लोकेशन शहरी सीमा व उससे लगे ग्रामीण क्षेत्रों की शामिल हैं, जहां पर करीब 10 से 15 साल पहले कृषि हुआ करती थी लेकिन अब वहां पर कॉलोनियों का जाल बिछ गया है।

कलेक्टर गाइडलाइन के प्रस्ताव में नीलबड़ की 15 साल पुरानी सैटेलाइट तस्वीर का वर्तमान तस्वीर से मिलान कर दामों में संशोधन करने का उदाहरण भी पेश किया गया है। जानकारी के अनुसार कलेक्ट्रेट में बुधवार को जिला मूल्यांकन समिति की बैठक में पंजीयन विभाग के अधिकारियों ने वर्ष 2026-27 के लिए तैयार की गई कलेक्टर

गाइडलाइन का प्रस्ताव रखा था। इसमें बताया गया था कि संपदा सॉफ्टवेयर 2.0 के अनुसार व सैटेलाइट तस्वीरों का विस्तार से अध्ययन करने के बाद करीब दो हजार 175 लोकेशन में से 732 लोकेशन पर औसत 11 प्रतिशत वृद्धि प्रस्तावित की है। इस पर 63 आपत्तियां विभाग को प्राप्त हुई थी, जिनके आधार पर समिति के अध्यक्ष व कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने दरों में संशोधन कर दोबारा से सोमवार को चर्चा करने के निर्देश दिए थे। इस प्रस्ताव में प्रॉपर्टी के दामों में वृद्धि करने का आधार सैटेलाइट तस्वीरों को बनाया गया है। सैटेलाइट ने 181 लोकेशन पर सबसे अधिक बदलाव होना बताया है, जबकि संपदा सॉफ्टवेयर ने 500 से अधिक लोकेशन पर वर्तमान दरों से अधिक दरों पर रजिस्ट्री होना बताया है।

**पांच से 200 प्रतिशत तक दरों पर हुई रजिस्ट्रियां-** पंजीयन अधिकारियों ने सेटेलाइट से सर्वे किया तो पता चला कि 181 लोकेशन पर बड़े बदलाव हुए हैं। इनमें से 83 लोकेशन ऐसी हैं, जिन पर पांच से 200 प्रतिशत तक दरों पर रजिस्ट्रियां हुई हैं। इनमें 30 लोकेशन पर पांच से 10, 25 लोकेशन पर 10 से 20, 29 लोकेशन पर 20 से 100 और तीन लोकेशन पर 100 से 200 प्रतिशत तक अधिक दरों पर रजिस्ट्रियां हुई हैं। जिनमें हुजूर और कोलार तहसील के अधिकांश क्षेत्र शामिल हैं।

**इन क्षेत्रों की सेटेलाइट तस्वीरों को बनाया आधार-** प्रॉपर्टी की दरों में वृद्धि करने के लिए जिन क्षेत्रों की सैटेलाइट तस्वीरों को आधार बनाया है, उनमें पिछले 10 सालों में तेजी से विकसित हुआ कोलार क्षेत्र, नीलबड़, रातीबड़, मेंडोरा, मेंडोरी की तस्वीरें शामिल हैं। इन तस्वीरों में बताया गया है कि 10 से 15 साल पहले जहां कृषि हुआ करती थी अब वहां पर जमकर घनी बसाहट हुई है। इन स्थानों पर प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त जमकर हो रही है और वर्तमान दरों से कई गुना अधिक दरों पर रजिस्ट्रियां हो रही हैं।

**मर्ज करते हुए घटा दी 707 लोकेशन-** जिले में अब तक कुल दो हजार 882 लोकेशन थीं, लेकिन इस बार 707 लोकेशन को अन्य लोकेशन में मर्ज कर दिया गया है। इससे अब जिले में कुल दो हजार 175 लोकेशन हो गई हैं, जिनमें से शहरी क्षेत्र की एक हजार 566 और ग्रामीण क्षेत्र की 609 शामिल हैं।

## बेटियों को एचपीवी टीके लगवाकर सर्वाइकल कैंसर से दें सुरक्षा: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

**भोपाल।** उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रविवार को रीवा प्रवास के दौरान जिले के सर्वांगीण विकास की दिशा में स्वास्थ्य, सांस्कृतिक गौरव और उच्च शिक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भौतिक विकास के साथ-साथ समाज का स्वास्थ्य और नैतिक मूल्यों का संरक्षण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उप मुख्यमंत्री ने मनगवां में सामाजिक संस्था पासुमा द्वारा संचालित निःशुल्क कैंसर जांच केन्द्र का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदेश की 8 लाख किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा प्रदान करने हेतु निःशुल्क एचपीवी टीके लगाने के महा-अभियान की चर्चा की। श्री शुक्ल ने कहा कि ÷बीमारी से बचाव ही उसका श्रेष्ठ उपचार है।÷ उन्होंने अनियमित दिनचर्या को त्याग कर प्राकृतिक खेती और कीटनाशक मुक्त अनाज अपनाने पर बल दिया, जिससे कैंसर, डायबिटीज और हृदय रोगों जैसी विभीषिकाओं पर नियंत्रण पाया जा सके।

**35 करोड़ से बनेगा भव्य संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर-** विन्ध्य क्षेत्र को पुनः छोटी काशी के रूप में स्थापित करने के संकल्प के साथ उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रामानुज संस्कृत विश्वविद्यालय की संगोष्ठी का शुभारंभ किया। उन्होंने घोषणा की कि लक्ष्मणबाग में 35 करोड़ रुपये की लागत से एक वर्ष के भीतर अत्याधुनिक विश्वविद्यालय परिसर का निर्माण किया जाएगा। इस परिसर में विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क भोजन, आवास, छात्रावास और विशाल पुस्तकालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि संस्कृत और सनातन ज्ञान परंपरा के माध्यम से ही भारत विश्व गुरु के पद पर प्रतिष्ठित होगा।

### निषादराज जयंती और रिवर फ्रंट का गौरव

रीवा की बीहर नदी के तट पर आयोजित भगवान निषादराज जयंती समारोह में सम्मिलित होकर उप मुख्यमंत्री ने श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि रिवर फ्रंट विकास के अंतर्गत निषादराज घाट और मंदिर का निर्माण रीवा की सांस्कृतिक गरिमा को नई ऊँचाई प्रदान कर रहा है। भगवान राम और निषादराज के मैत्री संबंधों को रेखांकित करते हुए उन्होंने समाज में आपसी भाईचारे और निश्छल प्रेम को विकास की पहली शर्त बताया।

## अब एआई करेगा काउंसलरों का मूल्यांकन

### केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने शुरू की नई परीक्षा प्रणाली

**भोपाल।** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शिक्षा को आधुनिक बनाने और छात्रों के कल्याण के लिए एक नए पहल की शुरुआत की है। बोर्ड ने स्कूल काउंसलरों और वेलनेस शिक्षकों के लिए एआई की मदद से ऑनलाइन मूल्यांकन शुरू किया है, जिसे घर बैठे भी दिया जा सकता है। यह पहल काउंसलरों की क्षमता बढ़ाने और उनके काम की गुणवत्ता सुधारने के लिए की गई है। इसका उद्देश्य स्कूलों में बच्चों के लिए बेहतर काउंसलिंग सिस्टम तैयार करना है। बता दें कि यह परीक्षा सीबीएसई के क्षमता विकास कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसके जरिए ये जांचा जाएगा कि काउंसलर बच्चों की मानसिक और भावनात्मक परेशानियों को समझने और उन्हें संभालने में कितने सक्षम हैं। इस प्रक्रिया के तहत कुल 10,000 काउंसलर शामिल होंगे और इसे अलग-अलग चरणों में आयोजित किया जाएगा।

इस एग्जाम के लिए पहला बैच फरवरी 2026 से शुरू हो चुका है। इस परीक्षा की सबसे खास बात यह है कि इसमें केवल किताबी नॉलेज नहीं बल्कि काउंसलर के व्यवहार, स्किल और स्कूल के माहौल में उनके काम करने के तरीके को भी परखा जाएगा। मतलब साफ है कि ये देखा जाएगा कि वो असल जिंदगी की स्थितियों को कैसे संभालते हैं और किस तरह छात्रों की मदद करते हैं।

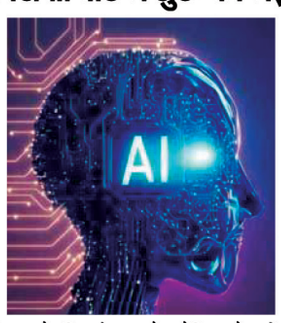


**डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होगी परीक्षा-** सीबीएसई ने स्कूल काउंसलरों और वेलनेस टीचर्स के लिए एक नया ऑनलाइन टेस्ट शुरू किया है, जिसमें एआई की मदद से निगरानी की जाती है। यह टेस्ट डीआईजीआई-एक्जाम प्लेटफॉर्म पर होता है और फरवरी 2026 से शुरू होकर करीब 10,000 काउंसलरों का धीरे-धीरे आकलन किया जा रहा है। यह परीक्षा सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि असली काम पर ध्यान देती है, जैसे- काउंसलिंग सही तरीके से करना, सही और नैतिक फैसले लेना, छात्रों की मानसिक और भावनात्मक समस्याओं को समझना। इसका उद्देश्य सिर्फ सर्टिफिकेट देना नहीं है, बल्कि काउंसलरों को बेहतर बनाना और उनकी काम करने की गुणवत्ता बढ़ाना है। बोर्ड की यह एआई आधारित परीक्षा खास लोगों के लिए है। इसके लिए जो लोग पात्र हैं-स्कूल काउंसलर और वेलनेस टीचर्स, सामाजिक और भावनात्मक काउंसलिंग करने वाले लोग और सीबीएसई से जुड़े स्कूलों में काम कर रहे प्रोफेशनल्स शामिल हैं। वहीं, अगर चयन की बात करें, तो इसके लिए सीबीएसई की ओर से नाम भेजा जाता है या स्कूल पोर्टल पर काउंसलरों का डेटा अपलोड करते हैं। स्कूल को यह डेटा हमेशा अपडेट रखना होता है ताकि कोई गलती न हो और सही लोगों को ही परीक्षा में शामिल होने का मौका मिले।

## 20 दिन पहले पकी गेहूं की फसल किसानों ने शुरु की कटाई

### मार्च में मई-जून जैसी गर्मी, कृषि विभाग ने दी जल्द कटाई की सलाह

**भोपाल।** मप्र के कई क्षेत्रों में मार्च के पहले ही मई जून जैसे गर्मी पडऩे लगी है। जिसको लेकर किसान भी चिंता में दिखाई दे रहे हैं। इस बार फसल अच्छी हुई है लेकिन अधिक गर्मी होने से गेहूं की फसल 20 दिन पहले ही पक गयी है। जिस कारण किसानों को मजबूरी में खेतों में गेंहू की कटाई शुरू करनी पड़ गई है। मटर, चना काटकर किसानों ने रख लिए हैं लेकिन किसान अब सोना काट रहे हैं जिसे गेंहू कहा जाता है। वहीं, कृषि विभाग ने भी अलर्ट कर दिया है कि किसान जल्द अपनी फसल की कटाई करें।

मौसम में आए बदलाव के कारण किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसान फसलों की कटाई कर थ्रेसिंग कराने में चौबीस घंटा जुटे हुए हैं। साथ ही गेहूं की फसल में हार्वेस्टर चलवा रहे हैं, जिससे फसल सुरक्षित घर लाई जा सके। वहीं, कृषि विभाग ने भी जल्द से जल्द फसल की कटाई करने की सलाह किसानों को दी है। प्रदेश के कई जिलों में इस बार किसानों की अच्छी फसल हुई है, लेकिन गेंहू में पानी पडऩे से कुछ कमजोर पड़ गई है। किसान इस बार की फसल से खुश भी दिखाई दे रहे हैं। किसानों की रबी फसल तैयार हो चुकी है।

**किसानों को सता रहा कटी फसल के नुकसान का डर-** कुछ फसलें जैसे चना, मटर काटकर खेतों में रखवा चुका है और गेंहू की फसल की कटाई शुरू हो चुकी है। लेकिन किसानों को मौसम में बदलाव के साथ अचानक बारिश या बूंदा बांदी की आशंका भी बनी हुई है। जिससे किसानों को उनकी खड़ी और कटी फसल के नुकसान होने का डर भी सता रहा है। वहीं, कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह देते हुए कहा है कि जल्द फसल काट कर सुरक्षित रखें क्योंकि आने वाले दिनों में हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है।

**इस बार बंपर हुई गेंहू की फसल-** इस साल हुई लगातार बारिश के कारण किसानों की कुछ फसल खराब हो गई थी। लेकिन रबी के सीजन की फसलें अच्छी हुई हैं।

## शहीद दिवस पर वीर सपूतों को श्रद्धांजलि, पुरानी इटारसी में आयोजित हुआ भावपूर्ण कार्यक्रम

**इटारसी।** शहीद दिवस (23 मार्च) के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी मंडल पुरानी इटारसी एवं श्री बजरंग व्यायाम शाला पुरानी इटारसी के संयुक्त तत्वावधान में भारत माता के वीर सपूत शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके अद्वितीय बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि शहीदों का साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शुक्ला, जिला महामंत्री ज्योति चौरे, पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश सह प्रशिक्षण प्रभारी जय किशोर चौधरी, मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो, राहुल चौरे, अनुसूचित जनजाति जिला अध्यक्ष राहुल प्रधान सहित अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके साथ ही वरिष्ठ भाजपा नेता, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

## दिगबर जैन महिला परिषद पद्मवती संभाग की नवनिर्वाचित अध्यक्ष बनी डॉ सविता जैन

**भोपाल।** आखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद की पद्मावती संभाग की अध्यक्ष डॉ. सविता जैन को बनाया गया है। मैना सुंदरी संभाग व पद्मावती संभाग का शपथ ग्रहण समारोह सम्मिलित रूप से किया गया जिसमें दोनों संभागों के प्रांतीय व संभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे। मैना सुंदरी संभाग की शाखायें भी उपस्थित थी पद्मावती संभाग की शाखाओं का शपथ ग्रहण शीघ्र ही होने वाला है।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ एवं परिषद् की मुख्य आधार स्तंभ आशा विनायक भारत पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई। सत्र का शुभारंभ प्रांतीय अध्यक्ष माधवी शाह के प्रोजेक्ट सशक्त नारी उज्जवल भविष्य के साथ किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन, चित्र अनावरण, से हुई तत्पश्चात मंगला चरण एवं स्वागत नृत्य हुआ हुआ। कार्यक्रम में केंद्रीय व प्रांतीय उपाध्यक्ष हीरामणी व प्रांतीय उपाध्यक्ष वंदना उपस्थित थीं पद्मावती संभाग की पूर्व अध्यक्ष कुमुदिनी बरया, पूर्व प्रांतीय सह सचिव सुशीला बाकलीवाल, प्रांतीय चेयर पर्सन दीप्ति, प्रांतीय चेयर पर्सन सरिता उपस्थित थी। एवं मैना सुंदरी संभाग के अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित सभा का आभार प्रदर्शन पद्मावती संभाग की अध्यक्ष डॉ सविता जैन द्वारा किया गया। आशा ने हमें हमारी कर्तव्यों व कार्य-शैली से अवगत कराया।

## आरजीपीवी कैंटीन में खाने में छिपकली मिलने का आरोप शिकायत पर कर्मचारी शिमला मिर्च बता खुद खा गया

**भोपाल।** राजधानी भोपाल स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) एक बार फिर विवादों में आ गया है। विश्वविद्यालय के कैंटीन के खाने में छिपकली मिलने का आरोप छात्रों ने लगाया है, इसके बाद मामला तूल पकड़ गया है। बताया जा रहा है कि 18 मार्च को गांधीनगर स्थित कैंपस में कुछ छात्र कैंटीन में खाना खाने पहुंचे थे। इसी दौरान करी में उन्हें छिपकली दिखाई दी थी इस घटना का वीडियो भी छात्रों ने बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। छात्रों के अनुसार, जब उन्होंने कैंटीन कर्मचारी को इसकी जानकारी दी, तो उसने उस संदिग्ध टुकड़े को उठाकर खुद खा लिया और दावा किया कि वह शिमला मिर्च का टुकड़ा है। हालांकि, छात्रों का कहना है कि उसका कुछ हिस्सा प्लेट में बचा रह गया, जिससे उनकी आशंका और बढ़ गई। इस पूरी घटना का वीडियो भी छात्रों ने बना लिया, वीडियो

सामने आने के बाद लोग इस पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं और कैंटीन की व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। वहीं, छात्रों ने बताया कि वह कर्मचारी के व्यवहार से डर गए थे, कोई खुद को सही साबित करने के लिए ऐसी चीज कैसे खा सकता हैं।

**जांच के लिए कमेटी गठित-** मामले की गंभीरता को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रबंधन ने जांच के लिए एक समिति गठित कर दी है। संस्थान के निदेशक सुधीर भदौरिया ने कहा कि छात्रों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सर्वोपरि है। यदि जांच में लापरवाही सामने आती है तो संबंधित लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# धर्मेन्द्र सोनू मागो को सौंपी शहर कांग्रेस अध्यक्ष की कमान-पप्पू यादव चौरई पर्यवेक्षक मनोनीत किए गए



**छिन्दवाड़ा।** पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसदनकुलनाथ के निर्देशानुसार शहर कांग्रेस अध्यक्ष एवं चौरई पर्यवेक्षक पद पर नवनियुक्ति की गई है। नवनियुक्त पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से जिम्मेदारी सौंपकर जिम्मेदारी संभालने हेतु निर्देशित किया गया है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पद पर धर्मेन्द्र सोनू मागो मनोनीत किए गए हैं। पप्पू यादव को चौरई पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। दोनों ही नवनियुक्त पदाधिकारियों ने अपनी नियुक्ति के प्रति कमलनाथ नकुलनाथसहित समस्त वरिष्ठ कांग्रेस जनप्रतिनिधियों का हृदय से आभार माना है।

# विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल जिला भोजपुर की जिला बैठक संपन्न

**औबेदुल्लागंज।** औबेदुल्लागंज स्थित धाकड़ समाज मैरिज गार्डन में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल जिला भोजपुर की बैठक संपन्न हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में संगठन विस्तार, आगामी श्रीराम जन्मोत्सव कार्यक्रम बजरंग दल वा परिषद प्रशिक्षण वर्गों की योजना, सेवा कार्यों की रूपरेखा श्री हनुमान जयंती कार्यक्रम धर्म रक्षा के के सन्दर्भ मैं चर्चा की गई।बैठक में विभाग मंत्री जीवन शर्मा एवं विभाग संयोजक अभिजीत सिंह राजपूत का प्रेरणादायी मार्गदर्शन समस्त कार्यकर्ताओं को प्राप्त हुआ. जिला बा प्रखंड एवं विभिन्न खंडों से आए सभी दायित्ववान कार्यकर्ताओं की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। बजरंग दल जिला संयोजक शिवराज धाकड़ जिला सह मंत्री सुरेश मेहरा, राहुल राजपूत, ओम प्रकाश हिंदू ने बताया कि बैठक के प्रमुख बिंदु पर चर्चा की गई संगठन के सशक्त विस्तार हेतु नवयुवाओं को जोड़ना,सामाजिक समरसता एवं सेवा कार्यों को गति देना,स्थानीय चुनौतियों का संगठित रूप से समाधान करना, सेवासुरक्षा और संस्कार – यही हमारा मूल मंत्र है। विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल जिला भोजपुर के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# विधायक विष्णु खत्री करेंगे सड़क सुरक्षा पखवाड़ा का शुभारंभ

**बैरसिया।** क्षेत्र में आए दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए 23 मार्च सोमवार से सड़क सुरक्षा पखवाड़ा का शुभारंभ होगा। इसका शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक विष्णु खत्री कृषि उपज मंडी से करेंगे। यहां पर ट्रॉलियों पर रेडियम रिफ्लेक्टर्स लगाए जाएंगे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना है। अभियान के प्रथम दिन विधायक विष्णु खत्री स्वयं कृषि उपज मंडी पहुँचकर वहाँ खड़ी ट्रॉलियों के पीछे रेडियम (रिफ्लेक्टर्स) लगाएंगे। इसके बाद आगामी समय में गेहूं उपार्जन केंद्रों पर भी ट्रॉलियों में रेडियम लगाया जाएगा।

अक्सर देखा गया है कि रात्रि के समय सड़क किनारे खड़ी या चलती ट्रॉलियों में रेडियम न होने के कारण पीछे से आ रहे वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। विधायक विष्णु खत्री ने विशेष रूप से क्षेत्र के युवाओं से अपील करते हुए कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट का उपयोग करें, क्योंकि एक छोटी सी लापरवाही पूरे परिवार को संकट में डाल सकती है। साथ ही उन्होंने कार चालकों से भी आग्रह किया कि वे सुरक्षित सफर के लिए सीट बेल्ट लगाकर ही वाहन चलाएं। ?विधायक श्री खत्री ने कहा कि यह पखवाड़ा केवल औपचारिकता नहीं बल्कि जीवन बचाने का एक अभियान है। इस 15 दिवसीय कार्यक्रम में स्थानीय पुलिस प्रशासन, परिवहन विभाग और सामाजिक संगठनों का भी सक्रिय सहयोग रहेगा।

# सिवनी-बालाघाट सड़क बनी 'मौत की सड़क', 23 को बरघाट में होगा आंदोलन

**सिवनी** – सिवनी-बालाघाट मार्ग पर लगातार हो रहे सड़क हादसों से लोगों में गहरा आक्रोश है। आए दिन हो रही दुर्घटनाओं में सैकड़ों लोगों की जान जाने के बाद अब युवाओं ने इस मुद्दे को लेकर खुलकर आवाज उठाई है। गैर-राजनीतिक संगठन युवा विचार मंच ने सिवनी और बालाघाट जिले के युवाओं के साथ मिलकर सरकार और जनप्रतिनिधियों से जवाब मांगा है तथा सड़क निर्माण की मांग को लेकर आंदोलन का ऐलान किया है।

शुक्रवार 20 मार्च को सिवनी के अग्रोहा लॉन, लूघरवाड़ा (जबलपुर रोड) में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में युवा विचार मंच के पदाधिकारियों ने पत्रकारों को बताया कि 23 मार्च 2026 को बरघाट में सिवनी बालाघाट सड़क के निर्माण की मांग को लेकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस आंदोलन में सिवनी और बालाघाट जिले के बड़ी संख्या में युवा और नागरिक शामिल होंगे।

प्रेस वार्ता में मंच के पदाधिकारी देव पवार उर्फ बनवारी सेठ, राजेंद्र ठाकुर, अनुराग सहित बरघाट क्षेत्र, बालाघाट और सिवनी जिले के कई लोग उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सिवनी-बालाघाट मार्ग अब पूरी तरह ÷मौत की सड़क÷ बन चुका है, जहां आए दिन भीषण हादसे हो रहे हैं और निर्दोष लोगों की जान जा रही है। इसके बावजूद जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर उठे सवाल - युवा विचार मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर खड़ा हो रहा है। लगातार दुर्घटनाओं के बावजूद न तो क्षेत्र के विधायक, सांसद और न ही सत्ता व विपक्ष के नेता इस गंभीर समस्या को लेकर प्रभावी पहल करते दिखाई दे रहे हैं। इससे आम जनता में निराशा और आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है।उन्होंने कहा कि चुनाव के समय जनता से बड़े-बड़े वादे करने वाले नेता अब जमीनी समस्याओं से दूरी बनाए हुए हैं। यदि जल्द ही सिवनी-बालाघाट सड़क के निर्माण और सुधार को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह आक्रोश आने वाले समय में बड़े जनआंदोलन का रूप ले सकता है।सड़क निर्माण की मांग को लेकर एकजुट हो रहे युवा - मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि सिवनी और बालाघाट जिले के युवाओं तथा आम नागरिकों के साथ मिलकर सड़क निर्माण की मांग को लेकर जनजागरण किया जा रहा है। 23 मार्च को बरघाट में होने वाला आंदोलन इसी कड़ी का पहला चरण होगा, जिसमें प्रशासन और सरकार तक जनता की आवाज पहुंचाई जाएगी।

# 'मेरे राम आएंगे' भजन पर झूम उठा महामाई परिसर, स्वास्ति मेहुल के सुंदर भजनों के साथ हुआ भव्य जागरण



**सिरोंज।** रविवार देर शाम महामाई मेले में भक्ति और आस्था का अद्भुत माहौल देखने को मिला, जब देश की प्रसिद्ध भजन गायिका स्वास्ति मेहुल ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से पूरे परिसर को भक्तिमय कर दिया। उनके भजनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा परिसर भक्ति रस में डूब गया जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ मां महामाई की विधिवत पूजा-अर्चना एवं क्षेत्र के पूर्व मंत्री स्वर्गीय लक्ष्मीकांत शर्मा के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर विधायक एवं समिति के संरक्षक उमाकांत शर्मा ने समिति के सदस्यों के साथ मिलकर स्वास्ति मेहुल एवं उनकी टीम का भव्यता के साथ स्वागत किया। जिसमें विधायक श्री शर्मा ने उपस्थित जन समूदाय को संबोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आस्था और भक्ति का संगम है। आज महामाई परिसर में जो भव्यता और भक्ति का वातावरण दिखाई दे रहा है, उसका श्रेय स्वर्गीय लक्ष्मीकांत शर्मा को जाता है, जिन्होंने इस परंपरा को मजबूत आधार दिया। कार्यक्रम के दौरान जब स्वास्ति मेहुल ने मेरे राम आएंगे भजन प्रस्तुत किया, तो श्रद्धालु अपने स्थानों से उठकर झूमने और नृत्य करने लगे। पूरे परिसर में भक्ति और उल्लास का अनोखा दृश्य देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई, जिसके बाद एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए गए, विशेष रूप से सुदामा और भगवान श्रीकृष्ण की मित्रता पर आधारित भजन ने श्रोताओं के दिलों को छू लिया। इस दौरान विधायक उमाकांत शर्मा स्वयं सुदामा का रूप धारण कर मंच पर पहुंचे, जिससे कार्यक्रम का आकर्षण और बढ़ गया तथा उपस्थित जनसमूह भाव-विभोर हो उठा। जागरण कार्यक्रम रात्रि लगभग 10:30 बजे प्रारंभ होकर देर रात 12:30 बजे तक चला, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहें स्वास्ति मेहुल ने भी अपने उद्बोधन में कहा कि सिरोंज आकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई। यहां के विधायक उमाकांत शर्मा धर्म और संस्कृति के प्रति समर्पित हैं तथा उन्होंने लोगों को एकजुट रखने का सराहनीय कार्य किया है। इस अवसर महामाई सेवा समिति के पदाधिकारी, सदस्य, जनप्रतिनिधि, के साथ बड़ी संख्या मे जनसमुदाय उपस्थित रहा।

## आज होगी श्रीकृष्णायन की संगीतमयी प्रस्तुति

महामाई महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी है। इसी क्रम में आज श्रीकृष्णायन के अंतर्गत भगवान श्रीकृष्ण एवं मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक झलकियों पर आधारित संगीतमयी प्रस्तुति कलाकार मोहित शेरवानी एवं उनकी टीम द्वारा दी जाएगी,इसके साथ ही मेले में प्रतिदिन रामलीला एवं रासलीला का मंचन भी किया जा रहा है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। नवरात्रि महापर्व के चलते बड़ी संख्या में भक्तगण माता महामाई के दर्शन हेतु पहुंच रहे हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है।

# इटारसी के द्वारिकाधीश बड़े मंदिर में निषादराज जयंती पर श्रद्धा और उत्साह का संगम



**इटारसी।** महाराज निषादराज जी की जयंती के पावन अवसर पर शहर के द्वारिकाधीश बड़े मंदिर परिसर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समाजजनों ने पूजा-अर्चना कर निषादराज जी को श्रद्धापूर्वक नमन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लेकर एक-दूसरे से भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

वक्ताओं ने कहा कि भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त निषादराज जी का जीवन सेवा, समर्पण और सच्ची मित्रता का अद्वितीय उदाहरण है। उनका चरित्र समाज को आपसी सहयोग, भाईचारे और निष्ठा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में सामाजिक एकता और परंपराओं के संरक्षण पर भी जोर दिया गया। अंत में सभी ने महाराज निषादराज जी की जयंती पर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए एकजुटता का संदेश दिया।

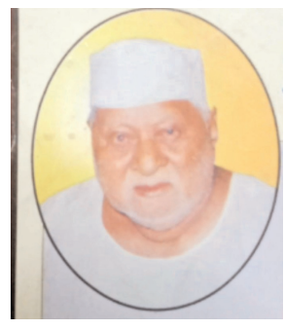

# सन्त शिरोमणि बाबा हरिगिर गोस्वामी की 25 वी वर्षी बड़ाघाट में बड़े धूमधाम से मनाई



**सुल्तानपुर (अनवर आजाद)** सन्त शिरोमणि बाबा हरिगिर गोस्वामी की 25 वी वर्षी बड़ाघाट में बड़े धूमधाम से मनाई जा रही है थरपारकर शहर कन्गोरा सिंध प्रांत पाकिस्तान के रहने वाले थे बाबा हरिगिरि गोस्वामी के पिता सूरजगिरी गोस्वामी माता गुलाबीबाई गोस्वामी थी साई का विवाह श्रीमती देवीबाई के साथ संपन्न हुआ जिनके पांच पुत्र एवं पांच पुत्रीया हुई वर्तमान में बाबा के पुत्रों में लखमीगिरी गोस्वामी (उर्फ) लक्की साई एवं पदमगिरी गोस्वामी के पुत्र बंटी साई एवं बंटी साई के पुत्र सार्थक गिरी गोस्वामी पप्पन सई के पुत्र भवानी गिरी गोस्वामी को बाबा के उत्तरअधिकार के रूप में सम्मान देते हैं उपस्थिति भी 1947 देश विभाजन के पश्चात 1950 मैं बाबा का परिवार जोधपुर राजस्थान बस गया 1950 में बाबा शिरोमणि बाबा हरि गिरि गोस्वामी जोधपुर को छोड़कर रायसेन जिले के सुल्तानपुर बालाघाट कुटिया बनाकर रहने लगे हर पूर्णमासी पर बाबा जी कुटिया पर भक्ति लोग पहुंचते थे उसे समय पर भक्त लोग रात भर भजन कीर्तन में लीन रहते थे शिरोमणि बाबा हरि गिरि गोस्वामी अपने भावना विष्णु एवं भगवान कृष्ण के उपासक थे जबलपुर अजमेर पाली राजस्थान गुजरात मुंबई इंदौर नर्मदा पुरम अन्य जगहों के भक्ति समाधि स्थल पर आकर माता टेकर अपनी मनोकामनाएं पूरी करते हैं बाबा हरि गिरि गोस्वामी के सानीध्या से लेकर आज तक निश्शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन हर वर्ष आज भी किया जाता है बाबा जी के समय सुगनाराम जी बाबा के परम भक्त थे जैसे आज के दौर में दर्जनों भक्त हैं।

# TET की अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों की आवाज़ तेज, रिव्यू पिटीशन दायर करने की मांग

**(प्रदीप कुमार)** मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा हाल ही में शिक्षकों के लिए टेट (ज्ञश्वज्ञ) परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य किए जाने के आदेश के बाद प्रदेशभर के शिक्षक समुदाय में नाराजगी और असंतोष बढ़ता जा रहा है। विभाग ने यह आदेश सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का हवाला देते हुए जारी किया है, साथ ही परीक्षा का कार्यक्रम भी घोषित कर दिया गया है। इस निर्णय से विशेष रूप से वे शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं, जो 20 से 25 वर्षों से सेवा में हैं। लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों के सामने अब पुनः परीक्षा देने की अनिवार्यता को लेकर असमंजस और असंतोष की स्थिति बनी हुई है। मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस की कोषाध्यक्ष एवं प्रवक्ता अनीता सारस्वत ने बताया कि संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सतीश शर्मा ने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाते हुए मध्य प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री, प्रमुख सचिव और लोक शिक्षण संचालनालय के आयुक्त को पत्र लिखकर मांग की है कि इस मामले में शीघ्र ही सर्वोच्च न्यायालय में रिव्यू पिटीशन दायर की जाए।शिक्षक संगठन का कहना है कि नियुक्ति के समय राज्य शासन द्वारा निर्धारित सभी सेवा भर्ती नियमों का पालन किया गया था। बी.एड. एवं डी.एड. जैसी डिग्रियां पहले से ही शिक्षक भर्ती के लिए अनिवार्य योग्यता रही हैं, जो मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों और बोर्डों से प्राप्त की गई हैं। इसके अलावा शिक्षकों को समय-समय पर विभिन्न विषयों में प्रशिक्षण भी दिया जाता रहा है।

## स्मार्ट घरों के डिजिटल पहरेदार: रक्षक या भक्षक? मार्च 21, 2026

# 'तकनीक का शॉर्ट-सर्किट': सुविधा की चमक में झुलसती सुरक्षा

**(प्रवीण कक्कड़)**

आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम अपने घरों को %स्मार्ट% बनाने की चाहत में सुरक्षा के उस बुनियादी सिद्धांत को भूलते जा रहे हैं, जो जीवन और मृत्यु के बीच की लकीर होता है। जिस तकनीक को हमने अपनी दहलीज की रखवाली के लिए चुना था, क्या वही आज हमारी सांसों की दुश्मन बन बैठी है? हाल ही में इंदौर में हुई वह हृदयविदारक घटना, जिसमें एक परिवार अपने ही घर के %स्मार्ट सेंसर लॉक% की वजह से काल के गाल में समा गया, हमारे समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है। आग की लपटें बाहर थीं और तकनीक की बेड़ियाँ अंदर। इससे पहले एक कारोबारी के आलीशान पेंटहाउस में भी यही मंजर दिखा था जहाँ दरवाज़ा तकनीक के भरोसे बंद था, लेकिन संकट के समय वही तकनीक उसकी मौत का कारण बन गई। यह केवल दो घटनाएं नहीं हैं, बल्कि उस खतरनाक ट्रेंड का संकेत हैं जहाँ हम सुरक्षा के नाम पर सुविधा को घर ला रहे हैं, विवेक को नहीं।

सेंसर आधारित लॉक चाहे वे फिंगरप्रिंट, फेस रिकग्निशन या पासवर्ड पर आधारित हों पूरी तरह बिजली, बैटरी और सॉफ्टवेयर पर निर्भर होते हैं। तकनीकी रूप से देखें तो आग लगने पर अत्यधिक तापमान, धुंआ और शॉर्ट-सर्किट इन इलेक्ट्रॉनिक सर्किट्स को निष्क्रिय कर सकते हैं। ऐसे में जो दरवाज़ा सुरक्षा का प्रतीक था, वही निकास का सबसे बड़ा अवरोध बन जाता है।

यह समस्या वैश्विक है

अमेरिका और चीन में स्मार्ट लॉक फेल होने के मामलों के बाद वहां %मैकेनिकल ओवरराइड% को अनिवार्य सुरक्षा फीचर बनाया गया है। दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने तो %फेल-सेफ% सिस्टम को अपने बिल्डिंग कोड में ही शामिल कर लिया है। भारत में भी यह खतरा वास्तविक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, देश में हर वर्ष हज़ारों आग की घटनाएं दर्ज होती हैं, जिनमें मौत का बड़ा कारण %घर के अंदर फंसे रहना% होता है। यह आंकड़ा हमें आगाह करता है कि एग्जिट की विफलता अक्सर आग से भी बड़ा खतरा साबित होती है।

%स्मार्ट% होने का अर्थ डिजिटल होना नहीं

हकीकत यह है कि हर तकनीक हर घर के लिए उपयुक्त नहीं होती। तकनीकी रूप से सक्षम छोटे परिवारों या नियंत्रित कमर्शियल स्पेस के लिए ये लॉक भले ही सुविधाजनक हों, लेकिन बुजुर्गों, बच्चों या घरेलू सहायकों वाले घरों में, जहाँ एक ही निकास द्वार हो, वहां पूरी तरह डिजिटल लॉक पर निर्भरता आत्मघाती हो सकती है। सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, %स्मार्ट% होने का अर्थ केवल डिजिटल होना नहीं, बल्कि सुरक्षित होना है। इसके लिए %ड्यूल लॉक सिस्टम% अपनाना अनिवार्य है, जिसमें सेंसर के साथ एक चाबी का विकल्प हमेशा मौजूद रहे।

ईवी डराने वाली सुरक्षा चुनौतियां

जैसे घरों में स्मार्ट लॉक का जाल बिछा है, वैसे ही सड़कों पर इलेक्ट्रिक व्हीकल (श्वङ्क) की रफ्तार बढ़ी है। नीति आयोग की रिपोर्ट्स ईवी को भविष्य की जरूरत बताती हैं, लेकिन इनके साथ जुड़ी सुरक्षा चुनौतियां डराने वाली हैं। ईवी में आग लगने का मुख्य वैज्ञानिक कारण %थर्मल रनअवे% है, जिसमें बैटरी के सेल्स अनियंत्रित रूप से गर्म होकर फटने लगते हैं। यह अक्सर ओवरचार्जिंग, गलत चार्जर का उपयोग या बैटरी के डैमेज होने से होता है। साल 2022 में भारत में हुए कई ईवी स्कूटर हादसों के बाद सरकार को जांच के आदेश देने पड़े और हज़ारों गाड़ियां रिकॉल की गईं। जर्मनी और जापान जैसे देशों में ईवी बैटरियों के लिए %मल्टी-लेयर टेस्टिंग% अनिवार्य है, जबकि हमारे यहाँ अभी यह जागरूकता शुरुआती दौर में है।

मॉडर्न फर्नीचर—सजावट या %फ्यूल%?

आजकल के %स्मार्ट और मॉडर्न% फर्नीचर केवल लकड़ी के नहीं, बल्कि सिंथेटिक मैटेरियल, रेजिन और ग्लू से बने होते हैं, जो आग लगने पर पेट्रोल की तरह काम करते हैं और बेहद जहरीला काला धुआं छोड़ते हैं।

इलेक्ट्रिक बेड और सेंसर सोफे÷रिमोट से चलने वाले बेड और सेंसर वाली रिक्लाइनर कुर्सियों में बिजली की वायरिंग छिपी होती है। यदि इनमें शॉर्ट-सर्किट हो जाए, तो फर्नीचर के भीतर लगी फोम चंद सेकंड में धधक उठती है। हमेशा %फायर रिटार्डेंट% (स्रद्बह्द्ग ऋह्लड्डह्स्रड्ढ्ठह्ल) फैब्रिक वाले फर्नीचर चुनें और सेंसर वाले फर्नीचर के पास फायर एक्सटिंग्विशर जरूर रखें।

बाजार का डरावना सच

बाजार का दूसरा सच और भी डरावना है। बढ़ती मांग के कारण बिना किसी मानक प्रमाणन (जैसे क्च्ढ्ढस्) वाले सेंसर लॉक और सस्ते ईवी कंपोनेंट्स धड़ल्ले से बिक रहे हैं। कुछ सौ या हज़ार रुपये बचाने की चाहत कई बार जीवन की कीमत पर पूरी होती है। हमें किसी तकनीक का विरोध नहीं करना है, बल्कि उसे विवेक के साथ अपनाना है। यदि आप इन तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं, तो नियमित सुरक्षा ऑडिट, ओरिजिनल एक्सेसरीज का इस्तेमाल और परिवार के हर सदस्य को %इमरजेंसी रिस्पॉन्स% की ट्रेनिंग देना ही बचाव का एकमात्र रास्ता है।

जीवन रक्षक %आपातकालीन निकास

अक्सर मौत का कारण आग नहीं, बल्कि %निकास का न होना% होता है। सुरक्षा विशेषज्ञों का सुझाव है कि हर घर में कम से कम एक खिड़की ऐसी होनी चाहिए जो संकट के समय %फ्री-वे% का काम करे।

अंदर से खुलने वाली ग्रिल ÷सुरक्षा के लिए खिड़कियों में फिक्स्ड ग्रिल के बजाय ऐसी ग्रिल लगवाएं जिसमें अंदर की तरफ एक लीवर या मैन्युअल लॉक हो।

इमरजेंसी हैमर ÷ जिस तरह बसों और ट्रेनों में कांच तोड़ने के लिए एक छोटा हथौड़ा लगा होता है, वैसा ही एक हथौड़ा अपनी मुख्य खिड़की के पास स्टैंड में लगाकर रखें। आग के समय धुआं इतना घना होता है कि चाबी ढूंढना असंभव होता है; ऐसे में कांच तोड़कर बाहर निकलना ही एकमात्र रास्ता बचता है।

निकास पथ की शुचिता÷जिस खिड़की या दरवाजे को आपने %इमरजेंसी एग्जिट% चुना है, उसके सामने कभी भी भारी फर्नीचर, सोफा या अलमारी न रखें। यह रास्ता हमेशा खाली और बाधा रहित होना चाहिए।

लोकेशन और ट्रेनिंग÷यह निकास ऐसी जगह हो जहाँ से बाहर की तरफ खुली जगह हो। परिवार के हर सदस्य, यहाँ तक कि बच्चों को भी, इस ग्रिल को खोलने अभ्यास जरूर कराएं।

आधुनिकता की असली पहचान यह नहीं है कि हमारे घर कितने %स्मार्ट% हैं, बल्कि यह है कि हम कितने सजग और सुरक्षित हैं। जब तकनीक संकट के समय साथ छोड़ दे, तो वह सुविधा नहीं, एक जानलेवा भ्रम है। हमें विज्ञान के साथ चलना है, लेकिन अपनी सुरक्षा की चाबी पूरी तरह किसी बेजान सर्किट के भरोसे नहीं छोड़नी चाहिए। अंततः घर वही सुरक्षित है, जहाँ से आप सुबह विश्वास के साथ निकलें और शाम को अपनों के बीच निश्चिंत होकर लौट सकें। क्योंकि जब तकनीक जीवन बचाए, तभी वह असली प्रगति है।

# संपादकीय

## तेल ठिकानों पर हमले से भड़की जंग की आग, पश्चिम एशिया संकट गहराने की आशंका

ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के हमले शुरू होने के बाद युद्ध में अब जो तौर-तरीके अपनाए जाने की खबरें आ रही हैं, उससे यह चिंता गहराने लगी है कि इसका असर किस रूप में सामने आएगा। हैरानी की बात यह है कि दुनिया भर में परमाणु या व्यापक विनाश के हथियारों और अन्य मसलों की अपनी सुविधा के मुताबिक व्याख्या करने वाला अमेरिका खुद कई बार सारे तकाजों के खिलाफ जाकर अंतरराष्ट्रीय कानूनों के प्रति भी उपेक्षा भाव प्रदर्शित करता है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध में दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर मिसाइल दागे जा रहे हैं और व्यापक पैमाने पर जानमाल की क्षति हो रही है, लेकिन अमेरिका और इजराइल के साझा हमले में कई ऐसे ठिकानों पर भी बमबारी की गई, जिसके पर्यावरणीय और मानवीयता पर असर को लेकर दुनिया भर में सवाल उठे हैं। मसलन, प्रतिद्वंद्विता के क्रम में या ईरान को झुकाने के लक्ष्य से वहां एक स्कूल पर हमले के अलावा कई शहरों में तेल ठिकानों पर मिसाइल दागे गए। उससे बाद वहां जैसे हालात पैदा हो रहे हैं, उसका असर दीर्घकालिक होगा और इसकी मार सिर्फ आम लोगों को झेलनी होगी। 'मोदी जी झोला उठाओ और चले जाओ', संजय राउत बोले- अब वो देश का नेतृत्व करने में सक्षम नहीं एक ओर विश्व भर में यह उम्मीद की जा रही है कि इस युद्ध की वजह से तेल और गैस के साथ-साथ अन्य कई मोर्चों पर व्यापक संकट गहराने के मद्देनजर शांति की राह खोजी जाएगी, दूसरी ओर खबर यह आई कि अमेरिका ने शनिवार को ईरान के खर्ग द्वीप पर हमला करके मसले को और जटिल स्वरूप दे दिया। हालांकि अमेरिका का कहना है कि उसने केवल सैन्य ठिकानों पर हमला किया और तेल ढांचों को निशाना नहीं बनाया। मगर खर्ग द्वीप को जिस तरह ईरान के सबसे बड़े तेल भंडार और नब्बे फीसद कच्चे तेल के निर्यात के केंद्र के रूप में जाना जाता है, उसमें कहना कठिन है कि हमलों का असर सीमित होगा। अगर हमलों की जद में तेल भंडार भी आए, तो उसके नतीजों की कल्पना की जा सकती है। फिर इस पर ईरान की प्रतिक्रिया क्या होगी, खाड़ी देशों में स्थित तेल रिफाइनरियों पर कैसा खतरा पैदा होगा, कहना मुश्किल है। इस क्रम में बड़े पैमाने पर तेल ठिकाने नष्ट होते हैं, तो आने वाले वक्त में दुनिया भर में संकट गहराएगा। युद्ध की चरम अवस्था में भी यह उम्मीद की जाती है कि इसमें शामिल देश संघर्ष की स्थिति में तय किए गए नियम-कायदों और मानवीयता का खयाल रखेंगे। मगर हालत यह है कि इस संबंध में मानवीय प्रश्नों की तो दूर, युद्ध को लेकर बने अंतरराष्ट्रीय कानूनों को बिना किसी हिचक के धता बताया जा रहा है। विश्व भर में इसे लेकर चिंता जताई जा रही है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले की निंदा कर चुके हैं। रूस भी कह चुका है कि हम जिस अंतरराष्ट्रीय कानून की बात करते हैं, वह लगभग खत्म हो चुका है। खबर यह भी आई कि अमेरिका और इजराइल के हवाई हमलों के बाद ईरान के आसमान से काली स्याही जैसा तरल बरस रहा है। अंधाधुंध हमलों के बाद युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में आम लोगों की जिंदगी जिस हालत में पहुंच गई है और मानवीयता के सभी तकाजे दरकिनार किए जा रहे हैं, वह सबके लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

# Yogi Adityanath के 9 साल: Ram Mandir से Kashi Corridor तक, यूपी में सांस्कृतिक पुनर्जागरण

-मृत्युंजय दीक्षित

वर्ष 2017 में विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बनी भाजपा गठबंधन की सरकार ने नौ वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इन नौ वर्षों में सरकार ने कानून व्यवस्था, सांस्कृतिक पुनर्जागरण तथा विकास के अनेक प्रतिमान गढ़े हैं। अपनी उपलब्धियों को जन जन तक पहुँचाने के लिए सरकार ने, नवनिर्माण के नौ वर्ष नामक पुस्तक का प्रकाशन भी किया है।

वर्ष 2017 के पूर्व उत्तर प्रदेश अराजकता के जाल में फंसा हुआ था। छोटी -छोटी बातों पर फसाद हो जाते थे। कानून और व्यवस्था की बुरी स्थिति के कारण निवेशक यहां आने से डरते थे। मुस्लिम तुष्टिकरण चरम पर था। लोग उल्टा प्रदेश कहकर प्रदेश का उपहास करते थे। 2017 में योगी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस स्थिति में व्यापक परिवर्तन हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि अब प्रदेश की पहचान का संकट समाप्त हो चुका है, सुरक्षा निवेश व विकास प्रदेश की नई पहचान बन चुके हैं। प्रदेश में सभी पर्व शांति, सौहार्द के साथ मनाए जा रहे हैं। कहीं कोई तनाव, कर्फ्यू व दंगा नही है। ऐसे माफियाओं का अंत हुआ है जिनके सामने सपा, बसपा व कांग्रेस की पुरानी सरकारें नतमस्तक हो जाया करती थीं।

शासन व्यवस्था में सुधार व मजबूत कानून व्यवस्था के कारण आज प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है। व्यापक स्तर पर सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है। लंबे कानूनी संघर्ष के बाद अयोध्या में दिव्य व भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है जहाँ लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। अयोध्या को अपना एयरपोर्ट, आधुनिकीकृत रेलवे स्टेशन, मेडिकल कालेज मिला, सम्पूर्ण अयोध्या नगरी का नवीनतम और पुरातन संस्कृति के सामंजस्य व समन्वय के साथ व्यापक स्तर पर विकास हो रहा है।

इसी प्रकार काशी का विश्वनाथ धाम कॉरिडोर निर्माण से काशी का स्वरूप भी निखरकर सामने आ रहा है। प्रयागराज में महाकुंभ में 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य की डुबकी लगाकर इतिहास रच दिया। इसी प्रकार मां विन्ध्यवासिनी कॉरिडोर के निर्माण से मां विन्ध्यवासिनी जाने वाले सभी श्रद्धालुओं को एक विशेष अनुभूति व आध्यात्मिक आनंद की प्राप्ति हो रही है। योगी सरकार आने के बाद प्रदेश में धार्मिक पर्यटन के साथ साथ अन्य पर्यटन गतिविधियों का विकास होने के कारण इस क्षेत्र में युवाओ के लिए रोजगार के नए अवसर खुल रहे हैं। प्रदेश की आस्था, संस्कृति व परंपराओं को सम्मान देते हुए उन्हें नई पहचान दिलाने का प्रयास लगातार जारी है। प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई अहम प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके अंतर्गत 96 लाख एमएमएमई इकाइयां संचालित की जा रही हैं। लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का निर्माण किया गया है।

एक जिला-एक उत्पाद योजना, एक जिला एक व्यंजन योजना के साथ ही प्रदेश के हर जिले में कम से कम एक पर्यटन स्थल का विकास किया जा रहा है। विगत नौ वर्षों के कार्यकाल में सरकार ने सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, रोजगार, किसानों के कल्याण, महिलाओं के सशक्तीकरण और गरीबों के उत्थान के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए हैं। अनेकानेक कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से दलितों, वंचितों और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी लाभ पहुंच रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सेवा क्षेत्रों में सुधार करते हुए सुशासन की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

प्रदेश में हिंदू समाज के मतांतरण को रोकने के लिए एक कड़ा कानून लाया गया और साथ ही लव जिहाद जैसी घटनाओं को रोकने के लिए भी प्रदेश सरकार कनून लेकर आई। बेटियों की सुरक्षा के लिए एंटी रोमियो स्क्वायड का गठन किया गया। महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए कई अहम कदम सरकार द्वारा समय-समय पर उठाए जाते रहे हैं। नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित मिशन शक्ति अभियान प्रदेशभर में चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री सुमंगला योजना से बेटियां सशक्त हो रही हैं। प्रदेश की पीएसी को जीवन्त करते हुए प्रदेश में पहली बार पीएसी मे महिलाओं के लिए तीन नई बटालियन की शुरुआत की गई। गरीब बेटियों के लिए विवाह के समय दी जाने वाली सरकारी सहायता भी बढ़ा दी गई है। मेधावी बेटियों के लिए स्कूटी योजना आई है।

प्रदेश का विकास परिवर्तनकारी है आज प्रदेश में सात एक्सप्रेस वे संचालित हैं, 15 का विकास कार्य प्रगति पर है। प्रदेश में 16 एयरपोर्ट संचालित हो रहे हैं और 8 निर्माणाधीन हैं। बहु प्रतीक्षित जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन आगामी 28 मार्च, 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी करेंगे। सात प्रमुख शहरों में मेट्रो सेवा चल रही है। नई सड़क परियोजनाएं राज्य के विकास के लिए पहचान बन चुकी हैं। वाराणसी से प्रयागराज और बलिया से अयोध्या तक वाटर-वे की सुविया बढ़ाई जा रही है।

उत्तर प्रदेश तीव्र गति से विकसित प्रदेश बनने की राह पर अग्रसर है। खाद्यान्न, गन्ना, आम एवं दुग्ध उत्पादन सहित अनेक क्षेत्रों में यूपी देश के पहले पायदान पर पहुंच चुका है। प्रदेश के किसानों को पूरी ईमानदारी से, समय पर भुगतान तो हो रहा है। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए व्यापक योजनाएं चलाई जा रही हैं। किसानों तक केंद्र व राज्य सरकार की समस्त योजनाओं का लाभ पहुँचाया जा रहा है। प्रदेश में भरपूर निवेश लाने के लिए स्वयं मुख्यमंत्री योगी ने जापान और सिंगापुर का सफल दौरा किया जबकि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जर्मनी का सफल दौरा किया। प्रदेश के नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां मिल चुकी हैं। युवाओं के लिए सरकार ने कई कदम उठाए तथा ऐतिहासिक घोषणाएं की हैं जिनके अंतर्गत अब प्रदेश सरकार युवाओं को एआई जैसे नये क्षेत्रों में भी प्रशिक्षित करने जा रही है। सरकार ने युवाओं के लिए अभ्युदय कोचिंग चलाई जिससे हजारों छात्र सफल होकर नौकरी प्राप्त कर चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व वाली सरकार में हिंदुओं के आस्था केंद्रों का सम्मान हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हर क्षण जनसमस्याओं के समाधान के प्रति कार्यरत रहते हैं। उन्होंने जनता दरबार के साथ साथ, जनता से सीधे जुड़े रहने के लिए योगी की पाती लिखनी आरम्भ की है।

# आखिर नफरत भरे भाषण पर कब सजग और सक्रिय होंगे हमारे हुक्मरान? यक्ष प्रश्न

-कमलेश पांडे

नफरत भरे भाषण, किसी भी सभ्य समाज के लिए वैचारिक कैंसर और सामाजिक एड्स के जैसा जानलेवा है, लेकिन दुनियावी तर्ज पर भारतीय लोकतंत्र में भी यह एक बुनियादी राजनीतिक-सामाजिक फैशन बनता प्रतीत हो रहा है। कोढ़ में खाज यह कि बहुमत की भूखी संसद और उसके इशारे पर कुछ कुछ फैसले लेने के आदी बन चुके सुप्रीम कोर्ट ने आजादी के 8वें दशक में भी विषाक्त बयानबाजियों के खिलाफ कोई कड़ा राष्ट्रवादी स्टैंड नहीं लिया ताकि राष्ट्रीय एकता व अखंडता पर अनवरत रूप से जारी साम्राज्यवादी वैचारिक हमले की धार कुंद की जा सके!

ऐसा इसलिए कि इनकी भी अपनी विवशता है! चूंकि पद और गोपनीयता की शपथ लेने वाले अधिकार संपन्न लोग ब्रितानी नौकरशाही और राजशाही के इशारे पर बने भारतीय संविधान को मानने को अभिशप्त हैं और अपनी व्यवहारिक और मौलिक सोच को ताखे पर रख चुके हैं, इसलिए हर जनतांत्रिक बीमारी लाइलाज हो चुकी है और भारत माता अपनी ही संतानों को निरंतर मुखाग्नि देते देते थककर बूढ़ी हो चली है।

राष्ट्रीय दुर्भाग्य यह कि पहले मुस्लिम शासकों और फिर अंग्रेजी नौकरशाहों ने भारत को जातीय, साम्प्रदायिक, भाषाई-क्षेत्र और लिंग के लिहाज से बांटकर निरंतर कमजोर रखने की जो साजिश रची, उसे अँग्रेजों के लाभुक इशारों पर चलने वाले भारत के आजादी कालीन नेताओं ने बहुमत प्राप्ति का लोकतांत्रिक आधार बना दिया। पहले अखंड भारत को खंडित किया और फिर जाति-धर्म-भाषा की तुष्टीकरण वाले अंग्रेजी कानूनों को हूबहू स्वीकार कर लिया। इससे सामाजिक विखण्ड की प्रक्रिया तेज हुई।

चौंकाने वाली बात तो यह कि कांग्रेस को कमजोर करने के लिए समाजवादियों और राष्ट्रवादियों ने भी जाति-धर्म-भाषा-क्षेत्र से जुड़े जनभावनाओं को भड़काया और बहुमत पाकर सत्ता हथियाया। लेकिन भारतीयों की नीतिगत एकजुटता की बात मील का पत्थर बनकर रह गई। मतलबी सरकारें बदलती रहीं, भारत माता की आत्मा पर अनगिनत प्रहार जारी हैं, लेकिन हमारी संसद और सुप्रीम कोर्ट प्रबुद्ध और सुसंस्कृत भारत के निर्माण की जगह यूरोपीय और अरबी कलह को भारत पर थोपने की मूर्खता प्रदर्शित कर रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है।

यह कितनी मूर्खतापूर्ण बात है कि आजाद भारत में गरीबी और अपराध को जातीय चश्मे से देखा जाता है, सवर्ण यानी सामान्य जाती विरोधी कानून बनाये जाते हैं और सुप्रीम कोर्ट भी ऐतिहासिक सामाजिक अन्याय का जिक्र करते हुए वर्तमान और भविष्य के सवर्ण विरोधी सामाजिक अन्याय किये जाने के निकृष्ट जनतांत्रिक विचारों पर मोहर लगाता है। खासकर भारतीय संविधान से जुड़े संवैधानिक अनुच्छेद (14, 15, 19, 21, SC/ST Act) की तर्क संभाव्यता, आदि) को भी विस्तार से देखने और इनपर पुनर्विचार की जरूरत है।

अन्यथा, देर सबेर सामान्य जातियों के बीच भी संसद और सुप्रीम कोर्ट का अप्रासंगिक होना तय है। यक्ष प्रश्न है कि आखिर बहुमत की राजनीति के लिए समाज को कब तक झुलसाया जाएगा, क्योंकि जब सहिष्णुता के विचार बदलेंगे तो व्यवस्था बदलते देर नहीं लगेगी! चूंकि प्रभावित पक्षों के लिए भारतीय संविधान का पक्षपाती दृष्टिकोण एक ऐसा मटमैला पन्ना है, जो जाति, सम्प्रदाय, भाषा, क्षेत्र, लिंग आदि में वैधानिक विभेद रचता है और उसे सामान्य जातियों के खिलाफ ऐतिहासिक सामाजिक अत्याचार का प्रतिफल करार देता है।

हैरत की बात है कि संविधान जिन लोगों को कानूनी संरक्षण देता है, उनके व्यक्तिगत और सामाजिक उत्पातों पर से भी प्रशासन अपनी आंखें फेर लेता है, यह जमीनी हकीकत है, इसलिए कतिपय सवाल लाजिमी है। बहरहाल, नफरती भाषण सम्बन्धी जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट का स्टैंड व्यावहारिक है, और संवैधानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो काफी संतुलित और सही माना जा सकता है, लेकिन यह बिना विवाद के नहीं है—विशेषकर जातिगत भावनाओं के मामले में।

सवाल है कि नफरत भरे भाषण सुप्रीम कोर्ट का रुख क्या था? तो जवाब होगा कि सुप्रीम कोर्ट ने ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ नफरती भाषण को अलग से जाति आधारित दंडनीय अपराध घोषित करने की भी याचिका पर विशेष निर्णय देने से इनकार कर दिया और याचिका को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने स्पष्ट कहा कि केवल ब्राह्मण ही क्यों, किसी भी समुदाय के खिलाफ नफरती भाषण स्वीकार्य नहीं है, यानी एक विशेष जाति को अलग सा हेट स्पीच खंड के तहत नहीं रखा जाना चाहिए। लिहाजा, नेताओं को भी इसी भावना से सख्त कानून बनाना चाहिए।

# ड्रैगन ने चल दी है नई चाल, अब पानी से करेगा वार, भारत आखिर कैसे देगा जवाब?

यह वही नदी है जो भारत में सियांग और फिर ब्रह्मपुत्र बनती है और आगे बांग्लादेश में जमुना के रूप में बहती है। अकेले ब्रह्मपुत्र घाटी में भारत के करीब तेरह करोड़ लोगों की आजीविका इस नदी पर निर्भर है जबकि बांग्लादेश में यह संख्या करोड़ों में है। यानी यह परियोजना सीधे करोड़ों जिंदगियों पर असर डालने वाली है। चीन इस परियोजना को हरित ऊर्जा का नाम दे रहा है, लेकिन असल खेल कहीं ज्यादा गहरा है। नदी के ऊपरी हिस्से पर नियंत्रण का मतलब है नीचे बहने वाले पानी पर नियंत्रण। और यही वह बिंदु है जहां यह परियोजना एक रणनीतिक हथियार बन जाती है। विशेषज्ञों का साफ कहना है कि यदि चीन चाहे तो सूखे के समय पानी रोक सकता है और तनाव के समय अचानक छोड़ सकता है। इससे बाढ़ जैसी तबाही पैदा हो सकती है। यही वजह है कि भारत के पूर्वोत्तर में इसे वाटर बम कहा जा रहा है। लोवी संस्थान की एक रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि तिब्बत के पठार पर चीन का बढ़ता जल नियंत्रण भारत की अर्थव्यवस्था पर गला घोंटने वाला दबाव बना सकता है। यह केवल जल संकट नहीं बल्कि खाद्य संकट और ऊर्जा संकट को भी जन्म दे सकता है। जिस इलाके में यह परियोजना बन रही है वह भूगर्भीय दृष्टि से बेहद अस्थिर है। यह क्षेत्र दुनिया की सबसे गहरी घाटियों में गिना जाता है और यहां भूकंप तथा भूस्खलन आम बात है।

-नीरज कुमार दुबे

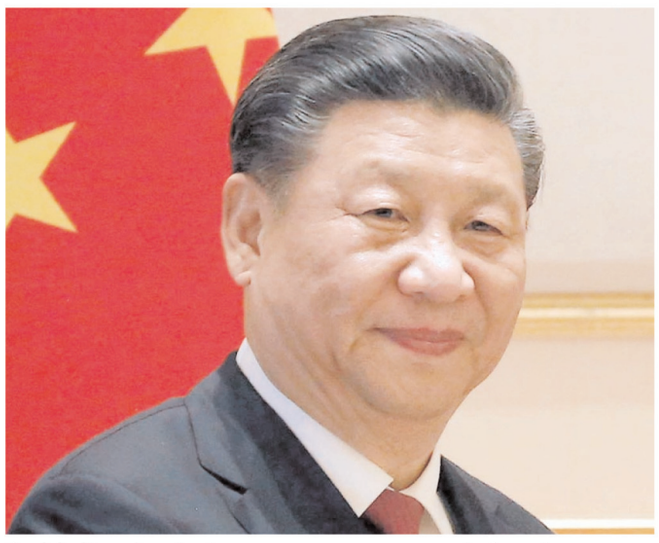

चीन ने तिब्बत के यारलुंग सांगपो नदी पर जिस विशाल जलविद्युत परियोजना की शुरुआत की है, उसने एशिया की भू-राजनीति में हलचल नहीं बल्कि भूकंप ला दिया है। यह कोई साधारण बांध नहीं, बल्कि पानी के जरिये ताकत हासिल करने की खुली रणनीति है। और सबसे खतरनाक बात यह है कि इसकी मार सीधे भारत और बांग्लादेश जैसे निचले देशों पर पड़ने वाली है। इस साल की शुरुआत में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने नववर्ष संबोधन में जब इस परियोजना का ऐलान किया तो दुनिया को साफ संदेश मिला कि चीन अब न तो पर्यावरण की चिंता करेगा और न ही पड़ोसी देशों की। करीब 167 अरब डॉलर की लागत से बन रही यह परियोजना दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत योजना बताई जा रही है जिसकी क्षमता 67 से 80 गीगावाट तक आंकी जा रही है। तुलना करें तो यह थ्री गॉर्जेस बांध से भी लगभग तीन गुना बड़ी हो सकती है।

यह वही नदी है जो भारत में सियांग और फिर ब्रह्मपुत्र बनती है और आगे बांग्लादेश में जमुना के रूप में बहती है। अकेले ब्रह्मपुत्र घाटी में भारत के करीब तेरह करोड़ लोगों की आजीविका इस नदी पर निर्भर है जबकि बांग्लादेश में यह संख्या करोड़ों में है। यानी यह परियोजना सीधे करोड़ों जिंदगियों पर असर डालने वाली है।

चीन इस परियोजना को हरित ऊर्जा का नाम दे रहा है, लेकिन असल खेल कहीं ज्यादा गहरा है। नदी के ऊपरी हिस्से पर नियंत्रण का मतलब है नीचे बहने वाले पानी पर नियंत्रण। और यही वह बिंदु है जहां यह परियोजना एक रणनीतिक हथियार बन जाती है।

विशेषज्ञों का साफ कहना है कि यदि चीन चाहे तो सूखे के समय पानी रोक सकता है और तनाव के समय अचानक छोड़ सकता है। इससे बाढ़ जैसी तबाही पैदा हो सकती है। यही वजह है कि भारत के पूर्वोत्तर में इसे वाटर बम कहा जा रहा है।

लोवी संस्थान की एक रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि तिब्बत के पठार पर चीन का बढ़ता जल नियंत्रण भारत की अर्थव्यवस्था पर गला घोंटने वाला दबाव बना सकता है। यह केवल जल संकट नहीं बल्कि खाद्य संकट और ऊर्जा संकट को भी जन्म दे सकता है।

जिस इलाके में यह परियोजना बन रही है वह भूगर्भीय दृष्टि से बेहद अस्थिर है। यह क्षेत्र दुनिया की सबसे गहरी घाटियों में गिना जाता है और यहां भूकंप तथा भूस्खलन आम बात है। ऐसे में इतनी बड़ी संरचना बनाना सीधे आपदा को निमंत्रण देना है। यदि किसी भी कारण से बांध को नुकसान पहुंचता है तो उसका असर हजारों किलोमीटर दूर तक जा सकता है। ब्रह्मपुत्र की तेज धारा और विशाल जल प्रवाह इसे और भी खतरनाक बना देते हैं।

इसके अलावा नदी के प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव से पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर असर पड़ेगा। अनुमान है कि ब्रह्मपुत्र हर साल लगभग सात सौ मिलियन टन गाद लेकर आती है जो असम और बांग्लादेश की जमीन को उपजाऊ बनाती है। यदि यह प्रवाह बाधित हुआ तो खेती पर सीधा असर पड़ेगा। इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा चिंता पारदर्शिता को लेकर है। न तो पर्यावरणीय रिपोर्ट सार्वजनिक की गई है और न ही स्थानीय लोगों से कोई राय ली गई है। तिब्बती समुदाय और पर्यावरण कार्यकर्ताओं की आवाज को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने इसे चीन का दोहरा रवैया बताया है। उन्होंने हाल ही में कहा कि चीन जब अपने हित में होता है तो अंतरराष्ट्रीय नियमों की बात करता है और जब नहीं होता तो उन्हें कुचल देता है। चीन की इस चाल के जवाब में भारत ने भी अपनी रणनीति तेज कर दी है। भारत पूर्वोत्तर में 208 बांध बनाने की योजना पर काम कर रहा है जिसकी कुल क्षमता 75 गीगावाट से ज्यादा होगी। इसमें सबसे बड़ा प्रोजेक्ट अपर सियांग है जिसकी ऊंचाई लगभग तीन सौ मीटर और क्षमता ग्यारह गीगावाट होगी। इसका मकसद केवल बिजली बनाना नहीं बल्कि चीन के जल नियंत्रण के खतरे को संतुलित करना है। भारत की योजना है कि वर्ष 2047 तक ब्रह्मपुत्र बेसिन से छिहत्तर गीगावाट से अधिक बिजली पैदा की जाए। यानी यह साफ है कि यह अब ऊर्जा की दौड़ नहीं बल्कि रणनीतिक टकराव बन चुका है। अब यह संघर्ष केवल नदी तक सीमित नहीं रहा। जलविद्युत परियोजनाएं अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल नेटवर्क से जुड़ चुकी हैं। चीन अपने बांधों को स्मार्ट ऊर्जा तंत्र से जोड़ रहा है जबकि भारत भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी और डेटा विश्लेषण पर काम कर रहा है। इसका सीधा मतलब है कि जो देश पानी को नियंत्रित करेगा वही ऊर्जा और डेटा दोनों पर नियंत्रण हासिल करेगा। यानी भविष्य की ताकत अब पानी और तकनीक के गठजोड़ में छिपी है। सबसे बड़ा खतरा यह है कि ब्रह्मपुत्र को लेकर भारत और चीन के बीच कोई औपचारिक जल समझौता नहीं है। यानी कोई बाध्यता नहीं, कोई जवाबदेही नहीं। अतीत में चीन ने साल 2000 में आई बाढ़ के दौरान जरूरी आंकड़े साझा नहीं किए थे जिससे भारी नुकसान हुआ था। इससे भरोसे की कमी और गहरी हो गई है। आज हिमालय केवल सीमाओं का नहीं बल्कि पानी और ऊर्जा का युद्ध क्षेत्र बन चुका है। चीन अपनी तकनीकी और आर्थिक ताकत के बल पर बढ़त लेने की कोशिश कर रहा है, जबकि भारत जवाबी संतुलन बनाने में जुटा है। बांग्लादेश के लिए यह स्थिति और भी गंभीर है क्योंकि वह पूरी तरह इस नदी पर निर्भर है। यदि सूखे के समय पानी घटा तो वहां खाद्य संकट गहरा सकता है।

बहरहाल, चीन का यह मेगा बांध विकास का प्रतीक कम और वर्चस्व की रणनीति ज्यादा लगता है। यह परियोजना आने वाले समय में एशिया की स्थिरता को प्रभावित कर सकती है। अब यह केवल पर्यावरण या ऊर्जा का मुद्दा नहीं रहा। यह सत्ता, संसाधन और भविष्य की दिशा तय करने वाली जंग बन चुका है। ब्रह्मपुत्र की हर बूंद अब सिर्फ पानी नहीं रही, बल्कि वह आने वाले समय की शक्ति और संघर्ष की कहानी लिख रही है।

# यहां डॉल्फिन और समुद्री शेरों की फौज करती है परमाणु हथियारों की रक्षा

आमतौर पर किसी भी देश में खुफिया ठिकानों या फिर संवेदनशील इलाकों की सुरक्षा का जिम्मा सेना के हाथ में होता है, लेकिन दुनिया में एक जगह ऐसी भी है, जहां परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भंडार है और उसकी सुरक्षा करती हैं डॉल्फिन मछलियां। यह हैरान करने वाली बात तो है, लेकिन बिल्कुल सच है। असल में इसके पीछे एक बड़ी वजह है, जिसके बारे में शायद ही कोई आम आदमी सोच पाए।

यह जगह अमेरिका के सिएटेल शहर से करीब 20 मील की दूरी पर है। दरअसल, यहां अमेरिकी नेवी का बेस कैंप है, जिसे नेवल बेस किटसैप कहते हैं। यह जगह दुनियाभर में इसलिए मशहूर है, क्योंकि अमेरिका के करीब एक चौथाई परमाणु हथियार यहीं पर रखे हुए हैं। यहां इतनी मात्रा में परमाणु हथियार हैं कि एक झटके में कई देशों का सफाया हो जाए। इसी वजह से इस जगह को दुनिया में परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भंडार कहते हैं।

अमेरिका ने अपने इस परमाणु भंडार की रक्षा के लिए इंसान या मशीन नहीं बल्कि डॉल्फिन और सी लॉयन (समुद्री शेर) की एक बड़ी फौज रखी है। इस अनोखी फौज में करीब 85 डॉल्फिन और 50 समुद्री शेर हैं। इन्हें खासतौर पर परमाणु हथियारों की रक्षा के लिए कैलिफोर्निया स्थित एक प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षित किया गया है।

### डॉल्फिन करती है परमाणु हथियारों की रक्षा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉल्फिन और समुद्री शेरों के शरीर में एक बाइट प्लेट फिट कर दी जाती है। अगर कोई घुसपैठिया समुद्री रास्ते से परमाणु हथियारों के पास जाने की कोशिश करता है तो ये समुद्री जीव उसके पैर से जाकर टकराते हैं, जिससे प्लेट उनकी टांग में चिपक जाती है और वो तब तक उसे बाहर नहीं निकाल सकता है, जब तक कि उससे संदेश समुद्री जीवों के हैंडलर तक नहीं पहुंच जाता।

इससे घुसपैठिये पर नजर रखी जाती है और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई भी की जाती है। दरअसल, डॉल्फिन और समुद्री शेरों को यह काम इसलिए सौंपा गया है, क्योंकि डॉल्फिन के अंदर खूबी होती है कि वो समुद्र के काफी नीचे की चीजों का भी पता लगा सकती है। इसके अलावा समुद्री शेरों की सुनने और देखने की क्षमता बहुत अधिक होती है। वह समुद्र की गहराई में, जहां सिर्फ अंधेरा ही होता है, वहां भी ये देख सकते हैं। यही वजह है कि इन्हीं दो समुद्री जीवों को परमाणु हथियारों की सुरक्षा का काम सौंपा गया है।

## मास्को स्टेट युनिवर्सिटी की 787 फुट उंची इमारत पर बना एक बड़ा सितारा

रूस में सितारे की आकृति का विशेष महत्व है। रूस जब सोवियत संघ था, तब इसके ध्वज में भी सितारा था। ये प्रसिद्ध ढ़ाचा मास्को स्टेट युनिवर्सिटी की 787 फुट उंची मुख्य इमारत पर बना हुआ है। 12 टन वज़नी ये सितारा 30 फुट लंबा है। यहां निगरानी रखने के लिए एक छोटा कमरा भी है। रूस की राजधानी मास्को में ऐसी दर्जन भर इमारतें और टावर हैं, जिनपर अभी भी सितारानुमा आकृति के बड़े बड़े ढ़ाचे बने हुए हैं।

## ताइवान में बांस के इस्तेमाल से बनाई गई अनोखी दीर्घा

वास्तुकला में इन दिनों प्राकृतिक चीजों के इस्तेमाल पर ज़ोर दिया जा रहा है। वास्तुविद सुदंरता के साथ टिकाउपन और अनोखापन भी चाहते हैं। वहीं पर्यावरण संरक्षण की ओर भी उनका ध्यान है। यह तस्वीर ताईवान में वर्ल्ड फ्लोरा एक्सपोशिन के मौके पर बनाए गए पैवेलियन की है। ताईवान के प्रसिद्ध जुओ स्टूडियो ने बांस से यह दीर्घा बनाई है। इसका डिज़ाईन ताइवान के सेन्टरल माउंटेन रेंज से प्रभावित है। जुओ स्टूडियो स्थानीय प्राकृतिक चीजों के इस्तेमाल के लिए जाना जाता है।

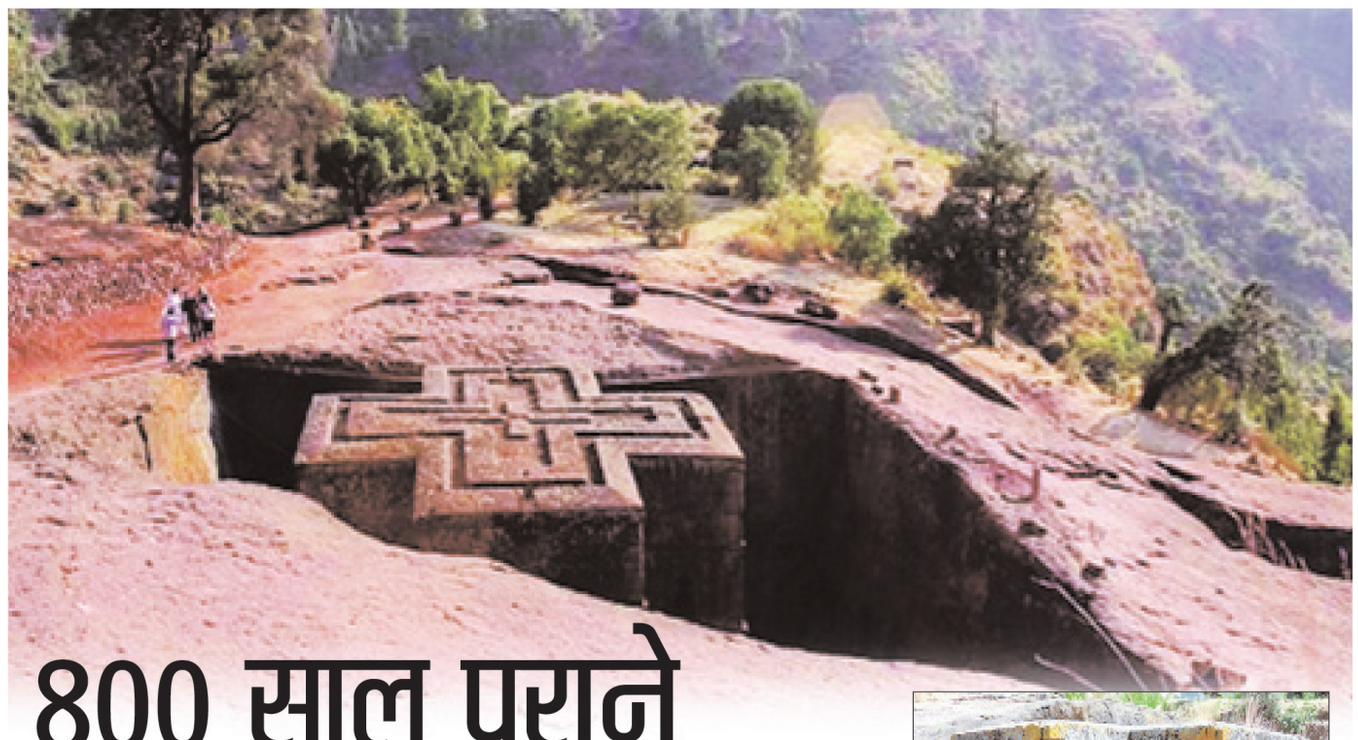

# 800 साल पुराने रहस्यमयी चर्च जिनकी कहानियां करती हैं हैरान

**इथोपिया की राजधानी अदीस अबाबा से 645 किलोमीटर दूर ये नायाब चर्च मोनोलिथिक यानी एक ही पर्वत या पत्थर को काटकर बनाया गया है। ये चर्च काफी गहरा बना हुआ है। हांलाकि पूर्वी अफ्रीकी देश लालीबेला शहर में स्थित ये चर्च सालों तक दुनिया से दूर रहा है। ईसाई धर्म को मानने वाले दुनिया के सबसे पुराने देश इथोपिया के लोगों को लगता था कि ये चर्च ईश्वर ने खुद ही बनवाया है। 150 फुट की गहराई में बने इस चर्च का रास्ता तय करने के लिए भूमिगत सीढ़िया भी बनाई गई हैं। मध्यकालीन युग में बनाया गया ये चर्च सरंक्षित इमारतों की सूची में शामिल है।**

आज हम आपको कुछ ऐसे रहस्यमय चर्चों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो करीब 800 साल पुराने हैं। इनके बनने के पीछे जो कहानियां प्रचलित हैं, उसे जानकर तो हर कोई हैरान रह जाता है। दुनियाभर के लोगों के बीच ये चर्च आकर्षण का केंद्र हैं। इन्हें देखने के लिए हर जगह से लोग बड़ी संख्या में आते हैं।

इन चर्चों को लालिबेला के चर्च के नाम से जाना जाता है, जो इथियोपिया के लालिबेला शहर में हैं। यहां कुल 11 ऐसे चर्च हैं, जिन्हें चट्टानों को काटकर बड़ी खूबसूरती से बनाया गया है। कहते हैं कि लाल और नारंगी रंग की ये चट्टानें ज्वालामुखी फटने के बाद उसके लावा से बनी हैं। माना जाता है कि इन चर्चों का निर्माण 12वीं और 13वीं सदी के बीच कराया गया है और इन्हें बनवाया है लालिबेला नाम के राजा ने, जो जाग्वे राजवंश से संबंध रखते थे। उन्हीं के नाम पर शहर का भी नाम लालिबेला पड़ा और चर्चों को भी लालिबेला के चर्च के नाम से जाना जाता है।

कहते हैं कि राजा लालिबेला चर्चों को बनवा कर इस जगह को अफ्रीका का यरुशलम बनाना चाहते थे। आपको बता दें कि यरुशलम ईसाई धर्म का एक पवित्र तीर्थस्थल है। इस शहर को ईसा मसीह की कर्मभूमि कहा जाता है। यहां 150 से ज्यादा चर्च हैं।

एक अनुमान के मुताबिक, चट्टानों को काटकर इन चर्चों को बनवाने में करीब 20 साल लगे थे। इन्हें हथौड़े और छेनी जैसे मामूली औजारों से बनाया गया है। यहां की सबसे खास बात ये है कि एक चर्च को दूसरे चर्च से जोड़ने के लिए चट्टानों को काटकर सुरंग भी बनाई गई है।

यहां मौजूद 11 चर्चों में बेत अबा लिबानोस अपनी वास्तुकला के लिए सबसे ज्यादा मशहूर है। इसे एक विशाल चट्टान को किनारे से काटकर बनाया गया है। इस चर्च की सबसे बड़ी खासियत ये है कि इसकी तीन ओर से दीवारें नहीं हैं। यह एक खड़ी चट्टान की तरह लगता है।

इन चर्चों के निर्माण को लेकर कहा जाता है कि इन्हें स्वर्ग से आए देवदूतों ने बनाया है। लालिबेला के लोगों के बीच यह कहानी प्रचलित है कि दिन में यहां मजदूर काम करते थे और जब वो रात के समय सोने चले जाते थे, तब स्वर्ग से उतर कर देवदूत चट्टानों को चर्च का आकार देते थे। साल 1978 में इन चर्चों को यूनेस्को ने विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया था।



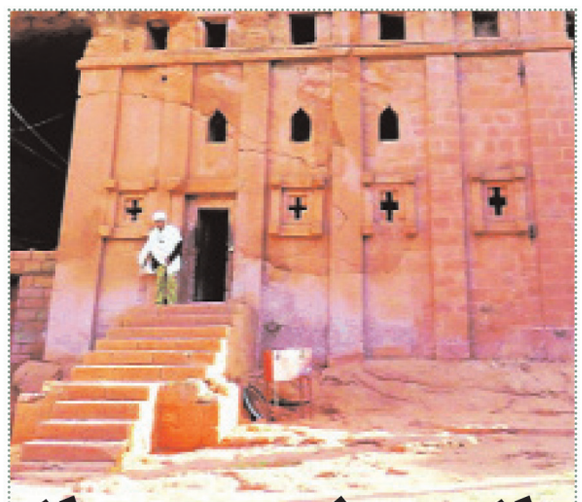

# हैरतअंगेज हैं लालिबेला के ये चर्च

**दुनिया में कई अद्भुत स्थान और इमारते हैं, उनमें से एक इथियोपिया के लालिबेला शहर में चट्टानों को काटकर बनाए गए चर्च हैं। इथियोपिया में चट्टानों को काटकर बनाए गए इस तरह के 11 चर्च हैं। ये चर्च अपने डिजाइन और सौंदर्य के कारण पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।**

12वीं सदी में लालिबेला नाम के ही राजा ने इन चर्चों का निर्माण कराया था। बाद में लालिबेला के नाम पर इस शहर का नाम भी लालिबेला पड़ गया। ईसाई धर्म के अनुयायियों के लिए पहले यरुशलम तीर्थस्थल हुआ करता था। 12वीं सदी में उस पर मुस्लिमों का कब्जा हो गया। मुस्लिमों का कब्जा होने के बाद ईसाई धर्म के लोगों के लिए तीर्थस्थल की कोई जगह नहीं रह गई। ऐसे में लालिबेला ने उन चर्चों को बनाया था। कहा जाता है कि लालिबेला की योजना उसे अफ्रीका का यरुशलम बनाने की थी।

### चर्चों का निर्माण

चट्टानों को काटकर इन चर्चों को बनाया गया। इनको बनाने में करीब 20 साल लगे। लाल-नारंगी रंग की ये चट्टानें असल में ज्वालामुखी फटने के बाद उसके लावा से बनी है। सबसे हैरत की बात यह है कि इन 11 चर्चों को उस समय के मामूली औजारों से बनाया गया है। साथ ही एक चर्च को दूसरे चर्च से जोड़ने के लिए पहाड़ों को काटकर सुरंग बनाया गया है। ये चर्च वास्तुकला और सौंदर्य का नमूना है। चर्च के अंदर काफी आकर्षक डिजाइन बनाए गए हैं।

### देवदूतों ने बनाया

इन चर्चों के बारे में कहा जाता है कि इनको खुद स्वर्ग से उतरकर देवदूतों ने बनाया है। उनके मुताबिक, मजदूर दिन के समय में काम करते थे और रात में जब वे सोने चले जाते थे तो स्वर्ग से उतरकर देवदूत उन चट्टानों को चर्च के आकार में खूबसूरत तरीके से तराशने का काम करते थे।

### बेत अबा लिबानोस

उन चर्चों में बेत अबा लिबानोस अपने डिजाइन की वजह से खास है। इसे एक विशाल चट्टान के किनारे को काटकर बनाया गया है। यह अपने आप में वास्तुकला का नमूना है क्योंकि चर्च एक खड़ी चट्टान की तरह है जिसके ऊपर छत है और नीचे फर्श। बाकी तीन ओर से दीवार नहीं है। यह इंसानी इंजिनियरिंग का नमूना है और देखकर समझा जा सकता है कि इसको बनाने में कितनी मेहनत लगी होगी।

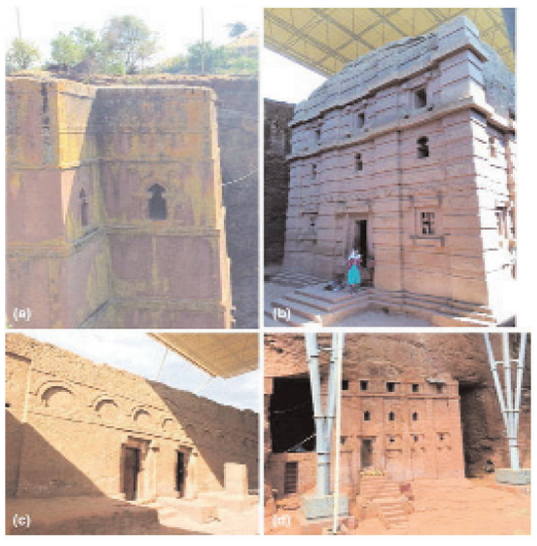

# आग बनी आफतः 200 एकड़ में फैली लपटें, दमकल वाहन झुलसा, झूठी सूचना पर बुलाई गई फायर ब्रिगेड

## मूंग की बुवाई की जल्दबाजी में किसानों की लापरवाही उजागर, प्रशासन सख्त कार्रवाई की तैयारी में

**भैरूंदा से संवाददाता**

रविवार को क्षेत्र के मंडी अटालिया, बालागांव और शीलकंट गांवों में किसानों की लापरवाही एक बड़े हादसे का कारण बनते-बनते टल गई। मूंग की बुवाई की जल्दबाजी में किसानों द्वारा खेतों में बची नरवाई (फसल अवशेष) में आग लगा दी गई, जो देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर गई और करीब 200 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैल गई।

स्थिति तब और गंभीर हो गई जब कुछ किसानों ने नरवाई में लगी आग को गेहूं की खड़ी फसल में आग लगने की झूठी सूचना देकर नगर परिषद की दमकल को मौके पर बुला लिया। सूचना मिलते ही दमकल वाहन घटनास्थल पर पहुंचा, लेकिन वहां गेहूं की फसल नहीं बल्कि नरवाई जलती हुई मिली।

मौके पर मौजूद किसानों ने आग बुझाने के नाम पर दमकल कर्मियों पर दबाव बनाकर वाहन को खेत के अंदर तक ले जाने के लिए मजबूर कर दिया। इसी दौरान तेज लपटों की चपेट में आने से दमकल वाहन के टायर, वायरिंग और अन्य उपकरण जलकर क्षतिग्रस्त हो गए।

हालात इतने गंभीर हो गए थे कि दमकल के डीजल टैंक तक आग पहुंच गई थी, जिससे बड़ा विस्फोट हो सकता था। हालांकि चालक की सूझबूझ और तत्परता से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया और बड़ा हादसा टल गया।

घटना के दौरान नगर परिषद की दो दमकल गाड़ियां और एक पानी का टैंकर मौके पर पहुंचे। वहीं आसपास के क्षेत्रों से भी सहायता के लिए दमकल वाहन बुलाए गए, जिन्होंने देर शाम तक आग पर काबू पाने का प्रयास किया।

इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि किसान स्वयं अपने खेतों में आग लगा रहे हैं। जब दमकल चालक ने वीडियो बनाकर साक्ष्य सुरक्षित करने का प्रयास किया, तो कुछ लोगों ने उसे रोकने की भी कोशिश की।

**प्रशासन सख्त, कार्रवाई के संकेत :** नगर पालिका अध्यक्ष श्री मारुती शिशिर ने घटना की जानकारी लेते हुए कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और क्षतिग्रस्त दमकल वाहन की जल्द मरम्मत कर उसे पुनः सेवा में लाया जाएगा।

वहीं एसडीएम सुधीर कुशवाहा ने मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि नरवाई जलाने वाले किसानों और झूठी सूचना देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

**कलेक्टर के आदेशों की अनदेखी :** कलेक्टर द्वारा खेतों में आग नहीं लगाने के स्पष्ट निर्देश दिए जाने के बावजूद किसानों द्वारा लगातार नियमों की अवहेलना की जा रही है। इस लापरवाही के चलते एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, लेकिन अब प्रशासनिक कार्रवाई का इंतजार बना हुआ है।

**ग्राम पंचायत के फायर फाइटर नदारद :** घटना के दौरान एक बार फिर ग्राम पंचायत स्तर पर उपलब्ध फायर फाइटर और पानी के टैंकर मौके से गायब नजर आए। जनपद पंचायत द्वारा आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए पंचायतों को संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, लेकिन जरूरत के समय इनका उपयोग नहीं होना कई सवाल खड़े कर रहा है।

**निष्कर्ष :** नरवाई जलाने की बढ़ती घटनाएं न केवल पर्यावरण के लिए घातक हैं, बल्कि मानव जीवन और सरकारी संसाधनों के लिए भी गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में कितनी सख्ती से कार्रवाई करता है और भविष्य में ऐसी घटनाओं पर किस तरह रोक लगाई जाती है।

# आबकारी की मेहरबानी के चलते नियमों की खुलेआम उड़ रही धज्जियां

## शराब माफियाओं के आगे नतमस्तक हुआ विभाग

प्रदेश भर में नशा मुक्ति के लिए मंचों से बड़े-बड़े दावे किए जाते हो लेकिन पथरिया दीपनखेड़ा आसपास के ग्रामों में परिणाम इसके विपरीत देखने को मिल रहे है बड़ी संख्या में युवा वर्ग नसे के गर्त में समा चुके हैं और कुछ समाने की कगार पर है कई घर उजड़ चुके हैं कहीं उजड़ने की कगार पर हे बही जिला आबकारी अधिकारी एवं सिरोंज आबकारी अधिकारी की सरपरस्ती में नियमों की धज्जियां उड़ना अब एक समान प्रक्रिया बन चुकी है आलम यह है कि पथरिया दीकनाखेड़ा क्षेत्र के भटोली ऊनारसी सफदलपुर दिखना खेड़ा सनोटी प्यारखेड़ी एवं अन्य गांव में खुलेआम अवैध रूप से शराब भेजी जाती हे ओर बेची जाती हे कई बार ग्रामीण शिकायत भी कर चुके हैं लेकिन मजाल है विभाग में बैठे अधिकारी के कानों पर जू भी रेंग जाए क्योंकि यहां शराब माफियाओं का समानांतर शासन चल रहा है समाचार पत्रों के माध्यम से कई बार खबरें प्रकाशित की गई लेकिन ठेकेदारों को मिले अभयदान ने ग्रामीण क्षेत्रों की कानून व्यवस्था को पूरी तरीके से चौपट कर दिया है।

**आबकारी विभाग में बैठे साहबों का मौन रहना खडा कर रहा कई प्रश्नः** सबसे बड़ा सवाल यह है की जिम्मेदार पदों पर बैठे अधिकारी अपनी नाक के नीचे हो रहे इस तांडव पर मौन क्यों हे क्या चुप्पी किसी मोटे नजराने का प्रमाण हे ? या प्रशासनिक अक्षमता ? जब नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों पर कार्रवाई करने वाले उनके साथ नजर आए तो उम्मीद किससे की जा सकती है समय रहते उच्चाधिकारियों द्वारा इन सब गतिविधियां पर लगाम नहीं लगाया गया तो युवा वर्ग बड़ी संख्या में नशे की गर्त में चला जाएगा जिससे कई परिवार उजड़ चुके हैं और कई उजाड़ने की कगार पर हे मजदूर दिन पर पैसा कमाता है एवं ग्राम ग्राम आसानी से मिलने वाली शराब में सारा पैसा गबा देता है बही शराब माफीया और विभाग का गठबंधन इतना मजबूत हो चुका हे कि विभाग में बैठे अधिकारियों शिकायतों का कोई असर नहीं पड़ता इनको शिकायत करो या कॉल लगाओ तो सिर्फ करवाई का आश्वासन देते हे दुबार काल नहीं उठाते या तो यह नंबर ब्लॉक में डाल देते हैं वही लोग अब आश्वासन नहीं कार्रवाई चाहते बही अब देखना करवाई एक सपना रहेगा या उच्च अधिकारी उनपे कार्रवाई करने की हिम्मत दिखाएंगे।

**सिरोंज में बिना सक्षम अधिकारी के खुलती हे शराब गोदाम :** वही देसी मदिरा के लिए सिरोंज कस्टम पद पर एक शराब गोदाम मनाई गई है जो की आबकारी विभाग के अधीन है जिस पर से ठेकेदार परमिट लेकर देसी शराब दुकान तक ले जाने का काम करते हैं वही सिरोंज में आया दिन देखा जा रहा है कि बिना सक्षम अधिकारी के मौजूदगी में शराब गोदाम खोली जाती है और गाड़ियों में भरकर शराब ले जाती है एवं शराब खली की जाती है वही मिली जानकरी अनुसार यह शराब कहां ले जाए जाती है।

# नीलबड़-रातीबड़ मुख्य मार्ग पर प्रस्तावित मदिरा दुकान का ग्रामीणों ने विरोध किया

**भोपाल।** नीलबड़-रातीबड़ मुख्य मार्ग पर स्थित ग्राम बेरखेड़ी वजयाफ्त की सीमा में कंपोजिट स्कीम के अंतर्गत प्रस्तावित मदिरा दुकान को लेकर क्षेत्र में विरोध तेज हो गया है। स्थानीय ग्रामीणों, छात्र-छात्राओं एवं सामाजिक संगठनों ने इस दुकान के खुलने पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। जानकारी के अनुसार, उक्त स्थल पर पिछले वर्ष भी मदिरा दुकान खोले जाने का प्रयास किया गया था, किन्तु ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों के विरोध के चलते योजना

को रोक दिया गया था। इस वर्ष पुनः दुकान खोलने के प्रयास से क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित स्थल के निकट आईईएस यूनिवर्सिटी स्थित है, जहां लगभग 5000 से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। यहां नियमित रूप से परीक्षाएं आयोजित होती हैं, जिसके कारण बाहरी क्षेत्रों से भी छात्र एवं उनके परिजन बड़ी संख्या में आते हैं। ऐसे में मदिरा दुकान खुलने से क्षेत्र का शैक्षणिक एवं सामाजिक वातावरण प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। इसके अतिरिक्त, यह स्थान मुख्य तिराहे पर स्थित है, जहां पहले भी मदिरा दुकान संचालित होने के दौरान नशे में असामाजिक गतिविधियों एवं सड़क दुर्घटनाओं की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। वर्तमान में यहां यातायात का दबाव भी अधिक रहता है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना और बढ़ सकती है। स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि प्रस्तावित स्थल के आसपास धार्मिक स्थल, शैक्षणिक संस्थान एवं रहवासी क्षेत्र स्थित हैं, ऐसे में यहां मदिरा दुकान खोलना नियमों एवं सामाजिक मानकों के विरुद्ध है। इस विषय को लेकर कलखेड़ा, बेरखेड़ी वजयाफ्त, रातीबड़, कुशलपुरा सहित आसपास के लगभग 10 गांवों के ग्रामीण, महिलाएं एवं बच्चे विरोध में एकजुट हो गए हैं। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि दुकान खोलने का निर्णय वापस नहीं लिया गया तो धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) 2025 में चयनित अभ्यर्थियों को सम्बोधित कर ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

# गैरेज में ब्लास्ट के बाद जली 6 कारें, अस्पताल तक पहुंची आग की लपटें, बाल-बाल बचे मरीज

**इंदौर।** चोइथराम अस्पताल के नजदीक स्थित लेकपार्क कॉलोनी में सोमवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब यहां स्थित एक गैरेज में भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही राजेंद्र नगर थाना

पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं और राहत कार्य शुरू किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिस गैरेज में यह अग्निहादसा हुआ वहां 6 कारें खड़ी थीं। आग की चपेट में आने के कारण ये 6 कारें पूरी तरह जलकर खाक हो गई हैं। दमकलकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए आग पर समय रहते काबू पा लिया जिससे यह आसपास के रिहायशी इलाकों में नहीं फैल सकी और एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

**अस्पताल की दीवार से सटा था शेड-** फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने बताया कि यह गैरेज चोइथराम अस्पताल के ठीक सामने स्थित एक ऑटो डीलिंग कंपनी का है। यहां पुरानी कारों की रिपेयरिंग और उन्हें बेचने का काम किया जाता है। जिस शेड में आग लगी थी वह सीधे तौर पर अस्पताल की दीवार से सटा हुआ था। खतरा भांपते हुए सबसे पहले अस्पताल प्रबंधन की ओर से ही पानी डालकर आग को रोकने की कोशिश की गई थी।

# छोटे तालाब ब्रिज पर बोरी में मिले गौवंश के अवशेष, जय भवानी संगठन का प्रदर्शन

**भोपाल।** तलैया थाना क्षेत्र में स्थित काली मंदिर के बाहर रविवार देर रात एक बोरे में मवेशी के अवशेष मिलने से माहौल गर्मा गया। इस घटना के सामने आते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। जय मां भवानी हिंदू संगठन के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और अवशेष को गोवंश का बताते हुए मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठ गए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने लगे। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और भारी बल मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन वे कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। संगठन के प्रमुख भानू हिंदू ने आरोप लगाया कि अवशेष की स्थिति से स्पष्ट होता है कि गोवंश की हत्या की गई है। उन्होंने पुलिस से इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर दोषियों की पहचान करने और उन्हें जल्द गिरफ्तार करने की मांग की।

### जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संगम घाट पर स्वच्छता सेवा

# संगम स्थलों की स्वच्छता भी ही आवश्यकः पटेल

**भोपाल।** आज जिला सीहोर के बुधनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत जोशीपुर के गुंजारी नर्मदा संगम घाट पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने स्वच्छता सेवा कार्य किया। इस अवसर पर

मंत्री पटेल ने माँ नर्मदा एवं गुंजारी नदी के संगम स्थल पर स्वच्छता अभियान में सहभागिता करते हुए आमजन को स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नदियाँ हमारी आस्था और जीवन का आधार हैं, इसलिए इन्हें स्वच्छ और निर्मल बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व विधानसभा में अपने वक्तव्य के दौरान मंत्री पटेल ने कहा था कि केवल नर्मदा नदी ही नहीं, बल्कि जिन नदियों का संगम नर्मदा से होता है, वे सभी स्थल अत्यंत पवित्र होते हैं। अतः इन संगम स्थलों की स्वच्छता और संरक्षण पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए आज मंत्री पटेल ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत स्वयं स्वच्छता सेवा कर समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने आमजन से भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने और अपने आसपास के जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने की अपील की।

# लोकसेवक की सोच, संवेदनशील प्रशासन, सीधी में भरोसे की नई शुरुआत

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के सीधी जिले में 2013 बैच के आईएएस अधिकारी विकास मिश्रा की कलेक्टर के रूप में नियुक्ति केवल एक प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि एक नई कार्यसंस्कृति की शुरुआत का संकेत है। ऐसे समय में जब जिले में प्रशासन को लेकर असंतोष की स्थिति बनी हुई थी, राज्य सरकार द्वारा एक संवेदनशील, सादगीपूर्ण और जनकेंद्रित अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपना एक दूरदर्शी निर्णय माना जा सकता है। विकास मिश्रा का प्रशासनिक अनुभव और कार्यशैली उन्हें अन्य अधिकारियों से अलग पहचान दिलाती है। मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर सचिव और आर्थिक एवं सांख्यिकी आयुक्त जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए उन्होंने नीतिगत समझ और डेटा-आधारित निर्णय क्षमता का परिचय दिया है। वहीं, डिंडोरी जिले में कलेक्टर के रूप में उनकी कार्यशैली ने उन्हें एक जनप्रिय और परिणामोन्मुख अधिकारी के रूप में स्थापित किया।

उनकी सबसे बड़ी विशेषता है–अपने पद से अधिक अपने दायित्व को महत्व देना। स्वयं को कलेक्टर के बजाय लोकसेवक कहना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि उनके प्रशासनिक दर्शन का मूल है। अपनी आधिकारिक गाड़ी से

कलेक्टर शब्द हटाकर लोकसेवक लिखवाना यह स्पष्ट संदेश देता है कि शासन का उद्देश्य सेवा है, न कि सत्ता का प्रदर्शन। उनकी इस सोच की सराहना स्वयं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा की जा चुकी है। जनसंवाद उनकी कार्यशैली का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। डिंडोरी में एक आदिवासी महिला की शिकायत पर उन्होंने बिना औपचारिकता के उसके हाथ पर अपना मोबाइल नंबर लिख दिया और तत्काल समाधान का आश्वासन दिया–यह घटना केवल एक वायरल दृश्य नहीं,

बल्कि संवेदनशील प्रशासन का जीवंत उदाहरण है। यह दिखाता है कि जब अधिकारी जमीनी स्तर पर उतरता है, तभी प्रशासन में विश्वास पैदा होता है।

इसी कड़ी में उनकी एक और अभिनव पहल समाज और प्रशासन दोनों के लिए प्रेरणादायक रही। डिंडोरी में उन्होंने कक्षा 9वीं के छात्र रुद्र प्रताप झरिया को एक दिन के लिए कलेक्टर बनने का अवसर दिया। छात्र न केवल कलेक्टर की कुर्सी पर बैठा, बल्कि उसे प्रशासनिक कार्यों की बारीकियां भी समझाई गईं और कलेक्ट्रेट के विभिन्न विभागों का निरीक्षण भी कराया गया। यह पहल केवल एक प्रतीकात्मक कार्यक्रम नहीं थी, बल्कि युवाओं में प्रशासन के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का सशक्त प्रयास थी। इससे यह संदेश गया कि शासन व्यवस्था जनता से दूर नहीं, बल्कि उनके बीच से ही बनती है। ऐसी पहलें समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं और अन्य अधिकारियों के लिए भी एक आदर्श प्रस्तुत करती हैं। यह दर्शाता है कि यदि इच्छाशक्ति हो, तो प्रशासन केवल आदेश देने वाली प्रणाली नहीं, बल्कि प्रेरणा देने वाला मंच भी बन सकता है।

सीधी जिले में उनकी नियुक्ति ऐसे समय पर हुई है जब पारदर्शिता, जवाबदेही की अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। ऐसे में उनसे यह उम्मीद स्वाभाविक है कि वे जीरो टॉलरेंस टू करप्शन की नीति अपनाते हुए प्रशासन में विश्वास बहाल करेंगे। सरकारी योजनाओं का निष्पक्ष क्रियान्वयन, शिकायतों का त्वरित समाधान और फील्ड स्तर पर सक्रिय उपस्थिति–ये सभी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल होंगे। उनकी आर्थिक एवं सांख्यिकी पृष्ठभूमि यह संकेत देती है कि वे विकास योजनाओं में डेटा और विश्लेषण का बेहतर उपयोग करेंगे, जिससे योजनाएं अधिक प्रभावी और लक्षित बन सकें। यह दृष्टिकोण न केवल संसाधनों के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित करेगा, बल्कि विकास को मापने और सुधारने की एक ठोस प्रणाली भी स्थापित करेगा।

निस्संदेह, सीधी जैसे जिले में चुनौतियां कम नहीं हैं–भौगोलिक विषमताएं, सामाजिक विविधता और आधारभूत संरचना की कमी प्रशासन की परीक्षा लेंगी। लेकिन यदि नेतृत्व संवेदनशील, सक्रिय और नवाचारी हो, तो यही चुनौतियां अवसर में परिवर्तित हो सकती हैं। अंततः, विकास मिश्रा की कार्यशैली यह सिद्ध करती है कि एक सच्चा लोकसेवक केवल नीतियों का पालन नहीं करता, बल्कि समाज में विश्वास, प्रेरणा और भागीदारी की भावना भी विकसित करता है। उनकी पहलें न केवल आम जनता को सशक्त करती हैं, बल्कि प्रशासनिक सेवा में कार्यरत अन्य अधिकारियों को भी यह संदेश देती हैं कि पद की गरिमा का वास्तविक अर्थ सेवा, संवेदनशीलता और नवाचार में निहित है। यह नियुक्ति केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि लोकसेवक की उस भावना का पुनर्जागरण है, जिसकी आज के शासन तंत्र को सबसे अधिक आवश्यकता है–जहां हर अधिकारी केवल अधिकारी नहीं, बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणा स्रोत बन सके।

# गाने के हिंदी वर्जन की अश्लीलता का नहीं था अंदाजा : नोरा फतेही

बढ़ते विरोध के चलते आखिरकार मेकर्स ने पैन इंडिया फिल्म केडी- द डेविल के गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' यूट्यूब से हटा दिया, लेकिन विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। गाने के बोल और डांस स्टेप्स को लेकर कई लोगों ने इसे अश्लील और आपत्तिजनक बताया। इसी बीच नोरा फतेही ने इस पूरे मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए अपनी बात सामने रखी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर कहा कि उन्हें इस बात का बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि गाने का हिंदी वर्जन इतना भद्दा लगेगा। नोरा ने बताया कि उन्होंने यह गाना करीब तीन साल पहले कन्नड़ भाषा में शूट किया था। उस समय उन्होंने इसे इसलिए स्वीकार किया क्योंकि यह एक बड़े बजट की फिल्म थी और इसमें संजय दत्त जैसे बड़े अभिनेता शामिल थे। उन्होंने यह भी

कहा कि उन्हें फिल्म के मेकर्स पर पूरा भरोसा था, इसी वजह से उन्होंने बिना किसी संदेह के इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी थी। उन्होंने वीडियो में कहा कि जब उन्होंने गाने का शूट किया था, तब उन्हें इसकी प्रस्तुति में कोई आपत्तिजनक बात महसूस नहीं हुई। लेकिन जब बाद में उन्होंने इसका हिंदी वर्जन देखा और सुना, तब उन्हें एहसास हुआ कि इसके बोल और प्रस्तुति बेहद भद्दे हैं। इसके बाद उन्होंने खुद को इस विवाद से अलग करते हुए साफ किया कि वह इस तरह की किसी भी चीज का समर्थन नहीं करती हैं। वीडियो के साथ साझा किए गए अपने संदेश में नोरा ने उन लोगों का धन्यवाद किया, जिन्होंने इस गाने का विरोध किया। उनका कहना है कि जनता के दबाव की वजह से ही मेकर्स को आखिरकार यह गाना हटाना पड़ा। उन्होंने लोगों से अपील भी की कि वे इस गाने को आगे शेयर न करें, क्योंकि इससे उसे और ज्यादा प्लेटफॉर्म मिल रहा है। साथ ही, नोरा ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि कुछ लोग इस विवाद का इस्तेमाल उनके चरित्र पर सवाल उठाने के लिए कर रहे हैं।

उन्होंने इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि किसी कलाकार को बिना पूरी जानकारी के जज करना ठीक नहीं है। अंत में नोरा ने भरोसा दिलाया कि वह और उनकी टीम आगे से ऐसे मामलों में अधिक सतर्कता बरतेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने हिंदी वर्जन पर परफॉर्म नहीं किया और उनकी इमेज का इस्तेमाल बिना उनकी अनुमति के किया गया। बता दें कि अभिनेत्री नोरा फतेही इन दिनों अपनी पैन इंडिया फिल्म केडी- द डेविल के गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर विवादों में घिरी हुई हैं। गाने में उनके साथ संजय दत्त नजर आए थे। रिलीज के बाद से ही इस गाने को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली।

# हनीमून पर थाईलैंड गए रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा, देखें वायरल तस्वीर, फैंस बोले- किसी की नजर न...

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने फरवरी 2026 में शादी की थी। इस समय दोनों थाईलैंड में हनीमून मना रहे हैं। उनके हनीमून की एक रोमांटिक तस्वीर सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जमकर वायरल हो रही है। न्यूली मैरिड कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की हनीमून की तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। इन दिनों दोनों थाईलैंड में हैं। उनकी एक रोमांटिक तस्वीर फैंस का दिल जीत रही है, जिसमें दोनों एक-दूसरे को गले लगाए हुए और आंखों में आंखें डालकर देखते नजर आ रहे हैं। हिंदुस्तान टाइम्स की एक खबर के मुताबिक, दोनों थाईलैंड के कोह समुई में एक प्राइवेट एयरबीएनबी विला में ठहरे हैं। उन्होंने लग्जरी रिसॉर्ट की बजाय शांत और निजी जगह चुनी है। इस तस्वीर में वह एक-दूजे को लगे लगाते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में दोनों कैजुअल कपड़े पहने हुए हैं। रश्मिका और विजय ने 26 फरवरी 2026 को उदयपुर में शादी की थी। कुछ दिनों बाद 4 मार्च को हैदराबाद में इंडस्ट्री के दोस्तों के लिए रिसेप्शन रखा। शादी के बाद दोनों ने खुशी से फैंस के बीच पूरे भारत में मिठाइयां बांटी। कई शहरों जैसे हैदराबाद, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु और कोच्चि में मिठाई के ट्रक भेजे गए। साथ ही मंदिरों में अन्नदान भी करवाया ताकि सबके आशीर्वाद मिलें। रश्मिका और विजय की इस हनीमून की तस्वीर पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं। कई फैंस ने लाल दिल वाला इमोजी और फायर इमोजी भी बनाया। विजय और रश्मिका जल्द ही निर्देशक राहुल सांकृत्यान की फिल्म रणबाली में साथ नजर आएंगे। यह तेलुगु फिल्म 1854 से 1878 के बीच ब्रिटिश राज के समय की असली घटनाओं पर बनी है। इसमें इंटरनेशनल एक्टर अर्नोल्ड वोस्लू भी हैं। रणबाली इस साल 11 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह शादी के बाद विजय-रश्मिका की पहली फिल्म साथ होगी।

वर्ल्डवाइड कमाई हुई 500 करोड़ पार

# देश ही नहीं, विदेशों में भी धुरंधर 2 का भौकाल

रणवीर सिंह की ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर की सीक्वल मूवी धुरंधर 2- द रिवेंज बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। यह फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज हुई थी। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर इसने ओपनिंड पर ही सेंचुरी लगा दी। कल तीसरे दिन यानी शनिवार को यह 300 करोड़ी बन गई। वर्ल्डवाइड भी धुरंधर 2 आंधी चल रही है। वर्ल्डवाइड यह 500 करोड़ कुनबे में शामिल हो गई है।

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधर 2 को कल ईद की छुट्टी का भरपूर फायदा मिला। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर इसने तीसरे दिन 113 करोड़ रुपये रुपये की कमाई कर डाली, जिसमें से सिर्फ 105 करोड़ रुपये हिंदी में कमाए। तीन दिनों में फिल्म का इंडिया नेट कलेक्शन 339 करोड़ रुपये है। विदेशों में भी यह फिल्म जबर्दस्त कलेक्शन कर रही है। सैकनिल्क पर प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक अब तक धुरंधर 2 द रिवेंज वर्ल्डवाइड 501.04 करोड़ रुपये कमा चुकी है। कमाई के ये आंकड़े ग्रॉस कलेक्शन के आधार पर हैं। भारत में फिल्म ने 404.54 करोड़ रुपये ग्रॉस कमाई की है। वहीं, धुरंधर 2 ने ओवरसीज 96.50 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। बहुत जल्द यह वर्ल्डवाइड भी 100 करोड़ क्लब में एंट्री ले लेगी।

वर्ल्डवाइड सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में धुरंधर 2 30वें नंबर पर है। वहीं, सिर्फ 2026 में रिलीज हुई फिल्मों के वर्ल्डवाइड कलेक्शन से तुलना करें तो धुरंधर 2 पहले नंबर पर आ गई है। साल 2026 की सबसे ज्यादा कलेक्शन (वर्ल्डवाइड) करने वाली टॉप 5 फिल्मों की सूची इस तरह है।

## जिंदगी में हजार लोग मिलेंगे..., भोजपुरी क्वीन अक्षरा सिंह का क्रिप्टिक पोस्ट

चर्चित अभिनेत्री और सिंगर अक्षरा सिंह सोशल मीडिया पर अक्सर अपने वर्क और निजी जिंदगी से जुड़े अपडेट शेयर करती हैं। आज रविवार को उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा किया है। इसमें एक्ट्रेस ने लोगों को अपने आसपास के लोगों का हौसला बढ़ाते रहने का सुझाव दिया है। साथ ही जिंदगी में चलते रहने की सलाह दी है। अक्षरा सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, जिंदगी में हजार लोग मिलेंगे, जो उनकी अपनी आंखों से अपने हिसाब से आपको देखेंगे बहुत कम लोग होंगे, जो आपके संघर्ष के पीछे किए गए बलिदानों को समझेंगे। सिर्फ एक चीज चाहिए होती है ऐसे लोगो को पता है क्या? तुम ठीक हो ना? तुम लड़की हो या लड़के, बस जिंदगी में चलते रहो। बस इतनी सी ही बात से वो दुनिया भी जीती जा सकती है। अगर आपके भी आसपास कोई ऐसा हो जो बहुत मजबूत हो, उससे बस इतना सा कहना मैं हूं ना, तुम बहुत अच्छा कर रही हो या कर रहे हो। सिर्फ इतना। अक्षरा सिंह ने एक अन्य पोस्ट भी इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें वे भजन गाती दिख रही हैं। उन्होंने चैत्र नवरात्रि में यह भजन माता रानी को समर्पित किया है।

# जान्हवी कपूर ने छोड़ा करण जौहर का साथ, प्रोड्यूसर ने तोड़ी चुप्पी, बोले- 'जिस किसी ने भी हमारी एजेंसी छोड़ी..'

करण जौहर प्रोड्यूस कई फिल्मों में जान्हवी कपूर ने अभिनय किया है। लगता है कि अब वह अलग रास्ते पर चलना चाहती हैं कि यही वजह है कि हाल ही में वह करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से अलग हो गई।

हाल ही में हिंदुस्तान टाइम्स से की गई बातचीत में करण जौहर कहते हैं, 'कुछ टैलेंट ऐसे होंगे जो हमारे पास आएंगे और चले जाएंगे। तीन बड़ी एजेंसियों के बीच हमेशा पासिंग द पार्सल जैसा खेल चलता रहता है।' करण जौहर ने यह भी बताया कि उनकी टैलेंट एजेंसी सबसे ज्यादा बिजनेस करती है।

करण जौहर बातचीत में आगे कहते हैं, 'जिस किसी ने भी हमारी एजेंसी छोड़ी है, मैं हमेशा उनके लिए अच्छा ही चाहूंगा, उनके साथ काम भी करूंगा। कई बार ऐसा हुआ है कि उन्होंने हमारी एजेंसी छोड़ दी है, लेकिन मैं फिर भी उनके साथ काम करता रहता हूं।' इस जवाब से करण जौहर ने जता दिया कि वह आगे भी जान्हवी कपूर के साथ काम कर सकते हैं। करण जौहर की एजेंसी से अलग होने के बाद भी जान्हवी कपूर के पास बड़ी फिल्में हैं। वह जल्द ही साउथ एक्टर रामचरण के साथ फिल्म 'पेद्दी' में नजर आएंगी। पिछले साल वह फिल्म 'परम सुंदरी' और 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आई थीं।

# तमन्ना भाटिया और शनाया कपूर की रैंप वॉक का जलवा, फैंस पर चलाया हुस्न का जादू

तमन्ना भाटिया ने अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है, वह इन दिनों बहुत फिट नजर आती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने डिजाइनर भूमिका शर्मा के लिए रैंप वॉक की। वहीं शनाया कपूर डिजाइनर रितिका मिराचंदानी के फैशन शो की शो स्टॉपर बनीं। दोनों एक्ट्रेस के लिए काफी चर्चा में रहे हैं।

मुंबई के नामी फैशन वीक में तमन्ना भाटिया ने डिजाइनर भूमिका शर्मा की बनाई ड्रेस पहनकर रैंप वॉक की। उन्होंने एक गाउन पैटर्न ड्रेस पहनी थी। गहरे लाल रंग की इस ड्रेस पर सिल्वर कलर से फूलों और पत्तियों के डिजाइन बने थे, इस पर बारीक कढ़ाई भी की गई थी। इस ड्रेस के साथ उन्होंने ग्रीन कलर वाली ज्वेलरी को टीमअप किया था।

इस फैशन वीक में शनाया कपूर ने भी शिरकत की है। वह डिजाइनर रितिका मिराचंदानी के लिए शो स्टॉपर बनीं। शनाया कपूर ने कॉकटेल साड़ी पहनी थी। इस साड़ी पर खूबसूरत कारीगरी की गई थी। शनाया कपूर ने काफी कॉन्फिडेंस से रैंप वॉक की। तमन्ना भाटिया की जल्द ही एक फिल्म 'वन' रिलीज होगी। शनाया कपूर की बात करें तो पिछले दिनों वह एक फिल्म 'तू या मैं' नजर आईं। फिल्म को दर्शकों से कुछ खास रेस्पॉन्स नहीं मिला है।

# भव्य उद्घाटन के साथ शुरू हुई KAI सीनियर नेशनल कराटे चैंपियनशिप 2026, भोपाल बना खेलों का केंद्र

**भोपाल।** LNCT University, भोपाल में आयोजित KAI सीनियर नेशनल कराटे चैंपियनशिप-2026 का 23 मार्च को अत्यंत भव्य एवं गरिमामय शुभारंभ हुआ। इस आयोजन ने शहर को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाई।

इस भव्य उद्घाटन समारोह में माननीय मंत्री विश्वास सारंग (मंत्री -सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन), आशीष उषा अग्रवाल (प्रदेश मीडिया प्रभारी, भाजपा, मध्यप्रदेश), बैकुंठ सिंह (अध्यक्ष, ऋद्धु), डॉ. पंकज शुक्ला (उपाध्यक्ष, KAI) एवं योगेश कालरा (महासचिव, KAI) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में राज्य अध्यक्ष जयदेव शर्मा, रेफरी आयोग के अध्यक्ष अमित गुप्ता सहित विभिन्न राज्यों से आए पदाधिकारी एवं अधिकारी भी उपस्थित रहे, जिससे आयोजन की गरिमा और बढ़ गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय मंत्री विश्वास सारंग द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जो खेल भावना, अनुशासन और एकता का प्रतीक रहा।

**मंत्री विश्वास सारंग ने प्रेरणादायक संदेश दिया**-कराटे केवल एक खेल नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक सशक्त कला है, जो अनुशासन, आत्मविश्वास और मानसिक दृढ़ता का निर्माण करती है। आप सभी खिलाड़ी अपने समर्पण और मेहनत के प्रतीक हैं। जीतना महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है अपने लक्ष्य की ओर निरंतर प्रयास करना, अपने प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करना और हर चुनौती का साहस के साथ सामना करना। मैं सभी प्रतिभागियों से आग्रह करता हूँ कि वे खेल भावना के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें और देश का नाम रोशन करें। यहां सीखे गए मूल्य आपको भविष्य में एक मजबूत और जिम्मेदार नागरिक बनाएंगे।

23 से 24 मार्च तक आयोजित इस प्रतियोगिता में देश के 19 राज्यों से लगभग 450 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिन्होंने कुमिते और काता की विभिन्न श्रेणियों में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रतिस्पर्धा की।

**इस अवसर पर डॉ. पंकज शुक्ला ने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा**-यह चैंपियनशिप केवल पदक जीतने का मंच नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन और आत्मविश्वास को विकसित करने का अवसर है। हर खिलाड़ी यहां अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए देश की भावना को आगे बढ़ा रहा है। मैं सभी प्रतिभागियों से कहना चाहता हूँ कि वे इस मंच का उपयोग खुद को बेहतर बनाने, नई सीख हासिल करने और अपनी सीमाओं को पार करने के लिए करें। कराटे हमें जीत में विनम्रता और हार में साहस सिखाता है—यही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है। 'श्रृंगार बने हथियार' जैसी पहल के माध्यम से हम महिलाओं को भी सशक्त बना रहे हैं, ताकि वे आत्मनिर्भर और निडर बन सकें। यह आयोजन शिहान अमित गुप्ता एवं शिहान परितोष शर्मा के तकनीकी मार्गदर्शन तथा शिहान जयदेव शर्मा के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उत्कृष्ट व्यवस्थाओं ने आयोजन को सुचारू और प्रभावशाली बनाया इस चैंपियनशिप ने भोपाल को राष्ट्रीय खेल आयोजनों के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करते हुए युवाओं में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार किया।

# गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा व श्री गुरु नानक फ्री डिस्पेंसरी की पहल रंग लाईः निःशुल्क रक्त जांच शिविर में उमड़ा जनसैलाब, विशेषज्ञ परामर्श से लाभान्वित हुए मरीज

गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा एवं श्री गुरु नानक फ्री डिस्पेंसरी द्वारा आयोजित निःशुल्क रक्त जांच एवं स्वास्थ्य परामर्श शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।

शिविर के प्रथम चरण में 21 मार्च को लगभग 90 लोगों के रक्त की जांच की गई। इसके बाद 23 मार्च को जांच रिपोर्ट आने पर विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मरीजों को परामर्श दिया गया। इस दौरान उपस्थित चिकित्सकों ने प्रत्येक मरीज की रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

शिविर की सफलता में डॉक्टर ताविश अरोरा, डॉक्टर सिमरनजीत सिंह गंभीर, डॉक्टर रश्मि कौर जग्गी, डॉक्टर सिमरन कौर छाबड़ा एवं डॉक्टर निकिता जुनेजा का विशेष योगदान रहा। वहीं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आभा जैन द्वारा महिलाओं की विशेष जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया गया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर गुरुसिंह सभा के प्रधान स. जसबीर सिंह छाबड़ा, सचिव स. राजिंदर सिंह दुआ, गुरु नानक डिस्पेंसरी के अध्यक्ष सतप्रीत सिंह छाबड़ा, कोषाध्यक्ष अमनदीप सिंह भाटिया एवं सचिव देवेंद्र सिंह जुनेजा ने सभी डॉक्टरों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए इस प्रकार के जनसेवा कार्य आगे भी निरंतर जारी रखने की बात कही।

## किसान मोर्चा मनाएगा 7 दिवसीय 'किसान सेवा पखवाड़ा'

**भोपाल।** भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा द्वारा प्रदेश भर में 23 से 29 मार्च तक 7 दिवसीय 'किसान सेवा पखवाड़ा' अभियान व्यापक स्तर पर मनाया जाएगा। इस संबंध में किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा ने बताया कि यह अभियान किसानों के प्रति सेवा, सम्मान और समर्पण की भावना को सशक्त करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। चावड़ा ने बताया कि अभियान का शुभारंभ 23 एवं 24 मार्च को प्रदेश के 62 मंडियों में किया जाएगा। इस दौरान किसानों के लिए प्याऊ (शीतल जल सेवा) तथा स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिससे किसानों को राहत एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने बताया कि 25 मार्च को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्मदिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दिन उन्नत कृषक, जैविक कृषक, बागवानी कृषक, पशुपालक एवं प्रगतिशील किसानों का सम्मान किया जाएगा। यह कार्यक्रम किसानों के उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करने और उन्हें समाज में विशेष पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

अभियान के अंतिम चरण में 29 मार्च को प्रदेश की 62 मंडियों में 'मन की बात' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें किसान बड़ी संख्या में शामिल होकर प्रधानमंत्री के विचारों को सुनेंगे और उनसे प्रेरणा प्राप्त करेंगे। किसान मोर्चा का यह 'किसान सेवा पखवाड़ा' प्रदेशभर में किसानों के बीच संवाद, सेवा और सम्मान का संदेश लेकर जाएगा तथा संगठन और किसान समुदाय के बीच संबंधों को और अधिक मजबूत करेगा।

## रेलवन एप- यात्रियों के लिए एक स्मार्ट और उपयोगी डिजिटल सुविधा

**भोपाल।** रेलवे द्वारा यात्रियों को बेहतर, सुगम एवं आधुनिक सेवाएं प्रदान करने की दिशा में रेलवन एप एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया है। यह एप विभिन्न रेल सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराकर यात्रियों के अनुभव को और अधिक सरल एवं सुविधाजनक बनाता है। रेलवन एप के माध्यम से यात्री ट्रेन संबंधी जानकारी, टिकट बुकिंग, पीएनआर स्टेटस, लाइव ट्रेन स्टेटस, प्लेटफॉर्म सूचना सहित कई महत्वपूर्ण सेवाओं का लाभ आसानी से उठा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यह एप उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस के साथ तेज और सुरक्षित सेवा प्रदान करता है। भोपाल मंडल द्वारा यात्रियों से अपील की गई है कि वे डिजिटल सेवाओं का अधिक से अधिक उपयोग करें और रेलवन एप डाउनलोड कर अपनी यात्रा को और अधिक आरामदायक एवं व्यवस्थित बनाएं। रेल प्रशासन निरंतर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा दे रहा है, जिससे रेल सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो सके।

## आज चौथी बार सड़कों पर उतरेंगे अभ्यर्थी

### शिक्षकों के 1 लाख से ज्यादा पद खाली, तीन बार आंदोलन, नहीं बनी बात

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में शिक्षक भर्ती का मुद्दा अब बड़ा जनआंदोलन बनता जा रहा है। स्कूलों में 1 लाख से ज्यादा पद खाली होने के बावजूद भर्ती में पद नहीं बढ़ाए जाने से नाराज अभ्यर्थी 24 मार्च को भोपाल में चौथी बार बड़े आंदोलन के लिए जुटेंगे। लगातार अनदेखी से युवाओं का गुस्सा अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है।

पिछले कुछ महीनों में वर्ग-2 (माध्यमिक) और वर्ग-3 (प्राथमिक) शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी तीन बार बड़े स्तर पर प्रदर्शन कर चुके हैं। नवंबर 2025 से लेकर फरवरी 2026 तक हजारों की संख्या में अभ्यर्थी राजधानी पहुंचे, धरना दिया, रैली निकाली, लेकिन हर बार आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। अब अभ्यर्थियों का कहना है कि बार-बार प्रदर्शन के बावजूद यदि सरकार निर्णय नहीं ले रही, तो यह युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

**चौथी बार आंदोलन, इस बार आर-पार की तैयारी-** लगातार अनदेखी से नाराज अभ्यर्थियों ने 24 मार्च से फिर भोपाल में विशाल धरना-प्रदर्शन का ऐलान किया है। इस बार आंदोलन को पहले से ज्यादा बड़ा और लंबा करने की रणनीति बनाई जा रही है। कई जिलों से हजारों अभ्यर्थियों के राजधानी पहुंचने की तैयारी है। अभ्यर्थियों ने स्पष्ट कहा है कि अगर इस बार भी सरकार ने सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो आंदोलन अनिश्चितकालीन किया जाएगा और इसे प्रदेशव्यापी रूप दिया जाएगा।

**पहले उग्र हो चुका है आंदोलन-** फरवरी में हुए प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने मुंडन करवाकर और अपनी मार्कशीट जलाकर विरोध जताया था। यह नाराजगी का चरम रूप था, लेकिन इसके बावजूद भी सरकार की ओर से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। अभ्यर्थियों का कहना है कि जब इतनी बड़ी संख्या में पद खाली हैं, तो भर्ती में पद बढ़ाने में देरी क्यों की जा रही है? इसे वे शिक्षा व्यवस्था और युवाओं दोनों के साथ अन्याय बता रहे हैं। अभ्यर्थियों के मुताबिक, इससे शिक्षा की गुणवत्ता पर सीधा असर पड़ रहा है और बच्चों का भविष्य प्रभावित हो रहा है।

### मध्यप्रदेश का शानदार प्रदर्शन

# ओडिशा में राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 7 पदक जीत

**भोपाल।** ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित कलिंगा स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अब तक कुल 7 पदक हासिल किए हैं। खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल, अनुशासन और मेहनत के दम पर प्रदेश का नाम रोशन किया है। मेडलों के विवरण के अनुसार, दौड़ (रेस) स्पर्धाओं में 4 स्वर्ण, 1 रजत और 2 कांस्य पदक प्राप्त हुए, वहीं भाला फेंक (जैवलिन थ्रो) स्पर्धा में 1 रजत पदक हासिल हुआ। यह उपलब्धि टीम की बहुमुखी क्षमता को दर्शाती है।

इस सफलता के पीछे मजबूत नेतृत्व और सुनियोजित तैयारी की अहम भूमिका रही है। पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन मप्र के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. विवेक सिंह परिहार ने खिलाड़ियों को निरंतर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन प्रदान किया। वहीं, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. दबास ने टीम प्रबंधन, समन्वय और रणनीति में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे खिलाड़ियों का प्रदर्शन और बेहतर हुआ। इस उपलब्धि में वर्ष 2025 में भोपाल के टी.टी. नगर स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का भी विशेष योगदान रहा है, जिसने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार किया। पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन मप्र के संयुक्त सचिव डॉ. अनिल कुमार अग्रहरी ने बताया कि यह सफलता सामूहिक प्रयास, सुदृढ़ प्रशिक्षण और प्रभावी नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने डॉ. विवेक सिंह परिहार और डॉ. दबास का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। मध्यप्रदेश की यह उपलब्धि न केवल खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाएगी, बल्कि प्रदेश में पैरा खेलों को नई दिशा देने का कार्य करेगी।

### मंडला में फसल विविधीकरण को मिल रहा बढ़ावा

## किसानों को वितरित किए गए मूंगफली व तिल के बीज

**मंडला।** जिले के मोहगांव विकासखंड में कृषक कल्याण वर्ष-2026 के अंतर्गत किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रेरित करने की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है।जिसमें जिला प्रशासन एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के संयुक्त प्रयासों से अब किसान पारंपरिक खाद्यान्न फसलों के साथ-साथ तिलहन फसलों की ओर भी रुख कर रहे हैं।विभाग द्वारा क्षेत्र के किसानों को प्रदर्शन के रूप में निःशुल्क मूंगफली एवं तिल के बीज वितरित किए गए,इसके साथ ही किसानों को स्प्रे पंप और अन्य कृषि आदान सामग्री भी प्रदान किए गए हैं।जिला उपसंचालक कृषि विभाग अश्विनी झारिया, सहायक संचालक कृषि विभाग श्रीमती माया रामटेके,मोहगाँव विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी आर.के. मंडाले तथा कृषि विस्तार अधिकारी

ग्रीष्मकालीन (जायद)फसल के लिए किसानों को मूंगफली और तिल के बीज उपलब्ध कराए गए हैं।जिससे खेती को अधिक लाभकारी बनाने का प्रयास किया जा रहा है।इस पहल के तहत मोहगांव विकासखंड के किसानों ने गेहूं की फसल के बाद मूंगफली और तिल की खेती करने का निर्णय लिया है।किसानों के इस उत्साह को देखते हुए-20 मार्च को जनपद पंचायत मोहगांव की सदस्य एवं कृषि स्थायी समिति की सदस्य प्रेमलता उइके द्वारा द्वारा किसानों के खेतों का दौरा कर उन्हें नरवाई प्रबंधन तथा मूंगफली और तिल की वैज्ञानिक बुवाई के संबंध में तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया।इस पहल से किसानों की आय में वृद्धि-उत्पादन में विविधता और खेती में जोखिम को कम करने की उम्मीद जताई जा रही है।जिला प्रशासन का मानना है कि फसल विविधीकरण से किसानों को बेहतर बाजार अवसर प्राप्त होंगे और कृषि को अधिक टिकाऊ बनाया जा सकेगा।

# डेंटल स्टडी सर्कल द्वारा सेमिनार आयोजित

**भोपाल।** डेंटल स्टडी सर्कल द्वारा 6 वां सेमिनार सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर शहर के प्रसिद्ध दंत चिकित्सक डॉ क्षितिज भार्गव ने आधुनिक दंत उपचार 'विनीयर्स' पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने स्माइल मेकओवर से जुड़ी नवीन तकनीकों और उनके महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में एक अन्य व्याख्यान शहर के सुप्रसिद्ध सर्जन डॉ ऋषि ठकराल द्वारा दिया गया, जिसमें उन्होंने इम्पैक्शन और एपिकोएक्टॉमी जैसी जटिल प्रक्रियाओं के बारे में सरल एवं प्रभावी ढंग से जानकारी साझा की। यह सेमिनार डॉ अभिनव श्रीवास्तव एवं डॉ नीरज पुरुस्वानी द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें शहर के लगभग 30 अन्य प्रख्यात दंत चिकित्सकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह सेमिनार ज्ञानवर्धक रहा और उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

### अब बांझपन से कैंसर तक हर इलाज एक ही छत के नीचे

# महिलाओं के इलाज के लिए प्रदेश का सबसे बड़ा सेंटर तैयार

**भोपाल।** राजधानी भोपाल में महिलाओं के इलाज को लेकर बड़ा बदलाव होने जा रहा है। सोमवार से काटजू अस्पताल में शुरू हो रहा स्टेट ऑफ द आर्ट सेंटर न सिर्फ प्रदेश का पहला ऐसा सरकारी सेंटर होगा, बल्कि यहां बांझपन से लेकर सर्वाइकल कैंसर तक की आधुनिक जांच और इलाज एक ही जगह पर उपलब्ध होगा।

यह मध्यप्रदेश का पहला सरकारी प्रिवेंटिव गायनी ऑन्कोलॉजी एंड इन्फर्टिलिटी सेंटर होगा। इससे पहले ऐसी सुविधाएं सीमित थीं और महंगे निजी अस्पतालों तक ही सिमटी थीं। इस सेंटर का उद्घाटन 23 मार्च को उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल और राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल द्वारा किया जाएगा।

**अब भटकना नहीं पड़ेगा, एक ही जगह मिलेगा पूरा इलाज-** डॉ. कैलाशनाथ काटजू शासकीय अस्पताल की नोडल अधिकारी डॉ. रचना दुबे ने बताया कि शुरू हो रहे इस अत्याधुनिक सेंटर में महिलाओं से जुड़ी लगभग हर बड़ी समस्या का समाधान होगा। इन्फर्टिलिटी (निःसंतानता), पीसीओएस, सर्वाइकल कैंसर, मोटापा, मेनोपॉज, हार्मोनल असंतुलन और अनियमित पीरियड्स जैसी बीमारियों के लिए अलग-अलग अस्पतालों के चक्कर लगाने की जरूरत खत्म हो जाएगी।

**हाईटेक मशीनें और आधुनिक इलाज की सुविधा-** करीब 2 करोड़ रुपए की लागत से तैयार इस सेंटर को आधुनिक तकनीकों से लैस किया गया है। यहां आईयूआई जैसी एडवांस फर्टिलिटी ट्रीटमेंट सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मरीजों को काउंसलिंग से लेकर ट्रीटमेंट तक हर स्टेज पर मदद करेगी।

### कैंसर की शुरुआती पकड़, जान बचाने की तैयारी

सर्वाइकल कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए वीआईए तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे बीमारी को शुरुआती स्तर पर ही पकड़कर समय रहते इलाज शुरू किया जा सकेगा, जिससे महिलाओं की जान बचाने में मदद मिलेगी। इस सरकारी सेंटर में बांझपन का इलाज 40 हजार से 80 हजार रुपए के बीच हो सकेगा। वहीं, निजी अस्पतालों में यही इलाज 2.5 से 3 लाख रुपए तक पहुंच जाता है। यानी आम लोगों को यहां 3 से 4 गुना तक सस्ता इलाज मिलेगा।

# मिडिल ईस्ट के तनाव के बीच एयर इंडिया ग्रुप का बड़ा फैसला, 30 उड़ानों का होगा संचालन

**नई दिल्ली।** मिडिल ईस्ट के तनाव के बीच एयर इंडिया ग्रुप ने नया फैसला लिया है। इसके तहत 23 मार्च से ग्रुप 30 उड़ानों का संचालन करने वाला है। एक बयान के जरिए कंपनी की तरफ से इस बारे में जानकारी दी गई है। ये उड़ाने मुसीबत में फंसे यात्रियों के लिए राहत का काम करने वाली है। ये बताया गया है कि एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस पश्चिम एशिया के लिए और वहां से वापस आने की कुल 30 उड़ानों का संचालन करेंगी। इन निर्धारित और गैर निर्धारित उड़ानों के अलावा कई मार्गों पर सेवाएं सीमित रहने वाली है। ये बताया गया है कि दोनों एयरलाइंस की तरफ से जेद्दाह के लिए अपनी निर्धारित उड़ानें जारी रखी जाने वाली है। भारत और सऊदी अरब के इस शहर के बीच लगभग 10 फ्लाइट्स का संचालन किया जाता है। एयर इंडिया की ओर से दिल्ली और मुंबई से एक एक वापसी उड़ान भी संचालित की जाएगी। वहीं एयर इंडिया एक्सप्रेस कोझिकोड, मंगलुरु, और बंगलुरू से उड़ाने संचालित करेगी।

### ये उड़ान चलेंगी

जोधा के अलावा और इंडिया एक्सप्रेस की ओर से मस्कट के लिए निर्धारित चार उड़ानें संचालित की जाएगी। यह दिल्ली और मुंबई से उड़ने वाली फ्लाइट है। इसके अलावा बेंगलुरु और कोझीकोड से रियाद के लिए भी चार निर्धारित उड़ानों का संचालन होगा। इसके अलावा एयर इंडिया ग्रुप संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के लिए 12 गैर निर्धारित उड़ानों का संचालन करने वाला है, जो स्लॉट की उपलब्धता के आधार पर चलाई जाएगी।

### अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया के लिए भी फ्लाइट

उत्तरी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप सहित अन्य क्षेत्रों के लिए भी सभी उड़ाने निर्धारित समय के अनुसार संचालित की जाती रहेंगी। निर्धारित सेवाएं जिनमार्गों पर अस्थाई रूप से निलंबित हैं, उन यात्रियों को अपनी बुकिंग का पूरा रिफंड लेने का विकल्प भी दिया गया है।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 कॉम्प्लेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं 87, पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित।
संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 ( सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)